



सब का सपना



मिशन शक्ति फेज-6.0 के नुककड़ नाटक के माध्यम से महिलाओं एवं **पेज: 3**

रकुल प्रीत ने जैकी भगनानी को बताया ताकत और **पेज: 8**

वर्ष : 02	अंक : 194	सोमवार 19 अक्टूबर 2026	अमरोहा (उत्तर प्रदेश)	www.sabkasapna.com	पृष्ठ : 08	मूल्य: 2 रुपए
------------------	------------------	-------------------------------	------------------------------	---------------------------	-------------------	----------------------

गोवा में सीजेपी के प्रदर्शन में हिंदुत्व मुर्दाबाद नारों पर एफआईआर

पणजी (एजेंसी)। गोवा में विपक्षी कॉंग्रेसव जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध प्रदर्शन के दौरान मुर्दाबाद, मुर्दाबाद, हिंदुत्व मुर्दाबाद जैसे कथित हिंदू विरोधी नारे लगाने के आरोप में 300 प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पणजी पुलिस ने 11 अक्टूबर को हुए प्रदर्शन को लेकर भारतीय न्याय संहिता (बीपनएस), 2023 की धारा 196 और 299 के तहत मामला दर्ज किया है। पणजी के पुलिस इन्स्पेक्टर विजयकुमार चोडनकर ने इसकी पुष्टि कर बताया कि इन नारों से धार्मिक असंतोष फैला और जानबूझकर हिंदू समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई गई। सीजेपी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रही थी। उनका आरोप है कि एसआईआर (एसआईआर) में हेराफेरी की गई है और देश की मतदाता सूची से नाम हटाए गए हैं। इस घटना पर गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कड़ी प्रतिक्रिया देकर कहा है कि राज्य में सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं होगी और घटना की जांच जारी है। तलेङगाओ निवासी रामप्रसाद केलकर ने सोशल मीडिया पर वायरल हुए 11 अक्टूबर के विरोध प्रदर्शन के एक वीडियो के आधार पर एफआईआर दर्ज कराई। केलकर ने अपनी शिकायत में कहा कि सीजेपी को प्रदर्शन की अनुमति नॉर्थ गोवा कलेक्टर द्वारा खारिज कर दी गई थी, लेकिन इसके बावजूद प्रदर्शनकारियों ने हिंदू विरोधी नारे लगाए, जिससे समाज में शांति और सद्भाव भंग करने की कोशिश की गई। इसी प्रदर्शन के दौरान जिला प्रशासन की अनुमति न होने के बावजूद आज्ञाएं मदान में घुसने पर पुलिस ने सात प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया था, जिन्हें बाद में बॉम्बे हाईकोर्ट में एक याचिका पर सुनवाई के बाद दर शाम रिहा कर दिया गया था।

राखी सावंत के खिलाफ गैर-जमानती वारंट : 16 साल पुराने मामले में मुश्किल बढ़ी

झांसी (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री राखी सावंत के लिए एक पुरानी मुश्किल फिर खड़ी हो गई है। झांसी की एक जिला अदालत ने उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है। यह मामला 16 साल पुराना है और एक इस्तरफ के व्यक्ति की साक्षित आत्महत्या से जुड़ा है, जो नवंबर 2010 में राखी सावंत के टीवी शो राखी का इसाफ में शामिल हुआ था। अदालत ने राखी के कई बार बुलाने के बावजूद पेश न होने पर यह वारंट जारी किया है। प्रेम नगर, झांसी निवासी लक्ष्मण अहिरवार नामक यह व्यक्ति अपनी पत्नी के साथ वैवाहिक विवाद सुलझाने के लिए शो में आया था। आरोप है कि शो के दौरान राखी ने लक्ष्मण को नारामंद कहकर संबोधित किया था। इस घटना के बाद लक्ष्मण ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। जिला सरकारी वकील (अपराध) मुदुल कांत श्रीवास्तव ने बताया कि फास्ट ट्रैक कोर्ट के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने वारंट जारी किया है। इस मामले की अगली सुनवाई 1 दिसंबर को निर्धारित की गई है।

पंजाब के किसानों ने 7 दिसंबर को चंडीगढ़ में पक्का मोर्चा लगाने का किया ऐलान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में किसान फिर आंदोलन की तैयारी में हैं। किसानों की ओर से 7 दिसंबर को चंडीगढ़ में पक्का मोर्चा लगाने का ऐलान किया है। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर के संगठन ने चंडीगढ़ कूच करने का ऐलान किया है। पंधेर का कहना है कि सरकार के साथ कई दौर की बैठक होने के बावजूद उनकी मांगों नहीं मानी गई हैं। किसानों के इस ऐलान के बाद अब सबकी नजर 7 दिसंबर पर टिकी है। देखना होगा कि इससे पहले सरकार और किसान संगठनों के बीच कोई सहमति बनती है या किसान चंडीगढ़ में अपना मोर्चा खोलते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक किसान नेता पंधेर का कहना है कि सरकार के साथ कई बैठक होने के बावजूद उनकी मांगें अभी तक पूरी नहीं हुई हैं। इसी के विरोध में किसानों ने चंडीगढ़ में धरना लगाने का फैसला किया है। किसानों की प्रमुख मांगों में 5 फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी देना शामिल है। किसान संगठनों का कहना है कि फसलों के उचित दाम और अन्य मांगों को लेकर वे लंबे समय से सरकार के सामने आवाज उठा रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है।

बाजा कैलिफोर्निया तट पर नौका हदसा : 11 लापता, 16 बचाए गए

बाजा (एजेंसी)। बाजा कैलिफोर्निया तट के पास समुद्र में एक नौका पलटने से 11 लोग लापता हो गए हैं। इस हादसे में शक्रवार को 16 लोगों को बचाया गया, जिसमें मैक्सिको के नागरिक शामिल हैं। बचाए गए लोगों में एक व्यक्ति शार्क के काटने से घायल हो गया था, जिसका इलाज जारी है। जीवित बचे लोगों ने अधिकारियों को बताया कि नौका पर कुल 27 लोग सवार थे। अमेरिकी तटरक्षक बल, नौसेना और मेक्सिको की नौसेना लापता लोगों की तलाश में जुट गई है। कई विमानों और नौकाओं से समुद्र में व्यापक तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। तटरक्षक बल के अनुसार, यह घटना तस्करों के अवसर सक्रिय रहने वाले क्षेत्र में हुई, लेकिन अमेरिकी जलक्षेत्र में नहीं। तटरक्षक बल के चाली वेलौर ने शनिवार को कहा, हम मदद कर सकते थे और इसी वजह से हमने अपने संसाधनों को इस अभियान में लगाया। शनिवार को एक अतिरिक्त हेलीकोप्टर भी अभियान में लगाया जाएगा।

पीएम मोदी के मार्गदर्शन में सरकार ने नारी शक्ति को बनाया यूपी की प्रगति का सक्रिय भागीदार : सीएम योगी

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार ने नारी शक्ति को प्रदेश की प्रगति का सक्रिय भागीदार बनाते हुए सुरक्षा, सम्मान, पोषण, शिक्षा और आर्थिक स्वावलंबन के अवसरों का विस्तार किया है। शारदीय नवरात्रि की महाअष्टमी के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मां महागौरी का स्मरण किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ह्याक्वसहू पर पोस्ट किया, ह्रस्पाति, पवित्रता और करुणा की प्रतीक मां महागौरी की आराधना हमें स्मरण कराती है कि समाज की वास्तविक उन्नति तभी संभव है, जब हर मां स्वस्थ और सुरक्षित हो, हर बेटी को पोषण व बेहतर भविष्य मिले और प्रत्येक नारी सम्मान के साथ आत्मनिर्भर होकर जीवन यापन कर सके। सीएम योगी ने लिखा, प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने नारी शक्ति को प्रदेश की



प्रगति का सक्रिय भागीदार बनाते हुए स-ुरक्षा, सम्मान, पोषण, शिक्षा और आर्थिक स्वावलंबन के अवसरों का विस्तार किया है। वर्ष 2017 से पहले जहां प्रदेश में बच्चों के पोषण से जुड़ी व्यवस्था माफिया के शिकंजे में दम तोड़ रही थी, वहीं प्रदेश

में डबल इंजन सरकार बनने के बाद हमने टेक होम राशन के उत्पादन और वितरण की जिम्मेदारी स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को सौंपकर व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए नारी शक्ति के आर्थिक स्वावलंबन का

मार्ग प्रशस्त किया। इस पहल ने प्रदेश में पोषण सेवाओं को सुदृढ़ करने के साथ ही कुपोषण के विरुद्ध लड़ाई को अधिक प्रभावी बनाया। इसी के साथ उन्होंने कहा कि हमने बच्चों के पोषण और प्रारंभक शिक्षा की आधारशिला रखने वाली

मधेपुरा गांव का बड़ा फैसला: नशा बेचा या किया तो लगेगा 25 हजार रुपये का जुर्माना

मधेपुरा, एजेंसी। बिहार के मधेपुरा गांव वालों ने सिर्फ नशा बेचने वालों को ही नहीं, नशा करने वालों को भी चेतावनी दी है। पंचायत की बैठक में तय हुआ कि अगर कोई नशा करते या बेचते पाया गया तो उस पर 25 हजार रुपए का सामाजिक जुर्माना लगाया जाएगा। इसके बाद प्रशासन को सूचना दी जाएगी, ताकि कानून के मुताबिक कार्रवाई हो सके। ग्रामीणों ने यह संकल्प भी लिया कि अगर कोई नशे के मामले में जेल जाता है, तो उसके परिवार वाले उसकी जमानत नहीं कराएंगे। यह फैसला मधेपुरा सदर प्रखंड की सहगढ़ पंचायत में लिया है।

जानकारी के मुताबिक सहगढ़ के स्कूल परिसर में पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता मुखिया मुकेश कुमार ने की। इसमें वर्तमान और पूर्व मुखिया समेत दोनों पंचायतों के प्रतिनिधि और ग्रामीण शामिल हुए। सभी ने मिलकर सहगढ़ को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया। अब सवाल है कि पंचायत ने ऐसा फैसला

क्यों लिया? इसे लागू कैसे किया जाएगा? और 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाने या जमानत नहीं कराने का फैसला कितना कानूनी है? ग्रामीणों का कहना है कि नशे के खिलाफ सिर्फ चर्चा करने से काम नहीं चलेगा, बल्कि गांव के लोगों को मिलकर इस पर रोक लगाने की कोशिश करनी होगी! बैठक में मौजूद ग्रामीण प्रतिनिधि ने कहा कि वर्तमान मुखिया, पूर्व मुखिया और गांव के लोगों ने साथ बैठकर यह फैसला लिया गया है। उनका कहना था कि आज से सहगढ़ में नशा बंद कराने की दिशा में सामूहिक कोशिश की जाएगी। नियम तोड़ने वालों पर जुर्माना लगेगा।

इस फैसले का दूसरा हिस्सा और भी खास है। ग्रामीणों ने कहा है कि अगर नशे के मामले में पकड़ा गया कोई व्यक्ति जेल जाता है, तो उसके परिवर्जन उसकी जमानत कराने के लिए आगे नहीं आएंगे। पंचायत के लोगों को उम्मीद है कि जुर्माने और सामाजिक बहिष्कार जैसी चेतावनी से नशे के खिलाफ माहौल बनाया जा सकेगा।

कोलकाता के चोरबागान में भगदड़ के बाद कड़े कदम: 19 मौतों पर प्रशासन अलर्ट

मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी भी स्थिति पर बारीकी से नजर रखे हुए

कोलकाता, एजेंसी। प्रश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के चोरबागान में दुर्गा पूजा पंडाल में हुई भीषण भगदड़ के बाद प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है, जिसमें 19 लोगों की दर्दनाक मौत हुई है। मरने वालों में 13 महिलाएं शामिल हैं, और हादसे ने कई परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया है। भगदड़ के मद्देनजर, कोलकाता पुलिस ने चोरबागान पंडाल के आसपास और उत्तर व मध्य कोलकाता के कुछ सटे इलाकों में बीएनएसएस की धारा 163 लागू कर दी है। इसके तहत कार्यक्रम स्थल के पास सड़कों पर लोगों के एकत्रित होने पर पूरी तरह से रोक है। यह प्रतिबंध 20 अक्टूबर तक प्रभावी रहेगा।

पश्चिम बंगाल के अग्निशमन मंत्री कौशिक चौधरी ने घटनास्थल का दौरा कर स्थिति का जांचा लेकर बताया कि हालात पर नजर रखने के लिए एक कंट्रोल रूम भी स्थापित किया है। स्वयं मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी भी स्थिति पर बारीकी से नजर रखे हुए हैं और जल्द ही उच्चस्तरीय बैठक करने वाले हैं। हादसे के तुरंत बाद घटनास्थल को सील किया गया है, जहां फॉरेंसिक टीम, पुलिस



और दमकल विभाग के अधिकारी जांच कर रहे हैं। पुलिस और अग्निशमन अधिकारी अब दूसरे दुर्गा पूजा पंडालों में भी सख्ता व्यवस्था की जांच कर रहे हैं ताकि ऐसी घटना फिर न हो। ममले में अब तक सात लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनसे घटना के कारणों का पता लगाने के लिए पूछताछ जारी है। एक अधिकारी ने बताया कि लापरवाही सामने आने पर कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री शुभेंद्र अधिकारी ने इस दर्दनाक घटना पर सख्त से सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

हादसे में जान गंवाने वाले 19 लोगों में महिलाओं और बच्चों की संख्या सबसे अधिक है, जो घटना की भयावहता को दिखाता है। सुवेंदु सरकार ने मृतकों के परिजनों के लिए 25 लाख रुपये के मुआवजे और एक सरकारी नौकरी का ऐलान किया है। वहीं, घायलों को मुफ्त इलाज के साथ 5-5 लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की गई है। प्रधानमंत्री ने भी मृतकों के परिवारों के लिए आर्थिक मुआवजे का ऐलान किया है, जिससे पीड़ित परिवारों को कुछ राहत मिल सके।

महाराष्ट्र सूखा संकट: अधिकारी, नेता और सरकार बने किसानों का सहारा

मुंबई , एजेंसी।

महाराष्ट्र के कई हिस्से इस समय गंभीर जल संकट और भीषण सूखे की मार झेल रहे हैं, इससे राज्य के किसानों की आर्थिक स्थिति बेहद दयनीय हो गई है। इस विकट स्थिति में किसानों को राहत पहुंचाने के लिए प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि और राज्य सरकार, सभी एकजुट होकर सामने आए हैं। राज्य के वरिष्ठ आईएएस और आईपीएस अधिकारियों ने संकट से जुझ रहे किसानों की सहायता करने का संकल्प लिया है। इसके तहत, सभी अधिकारी अक्टूबर 2026 के अपने

एक दिन का वेतन मुख्यमंत्री राहत कोष में दान करने वाले हैं। इस संबंध में अधिकारियों के संगठन की ओर से राज्य सरकार को आधिकारिक पत्र भी सौंपा जा चुका है, जो उनके एकजुट समर्थन को दर्शाता है। जनप्रतिनिधि भी इस राहत कार्य में अपना योगदान दे रहे हैं। चिपलून-संगमेश्वर विधानसभा क्षेत्र के विधायक शेखर निकम ने अपने एक महीने के मूल वेतन का चेक उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार को सौंप दिया है। वहीं, विधायक रोहित पवार ने महायुति सरकार से यह मांग की है कि सूखा प्रभावित किसानों को प्रति

हेक्टेयर कम से कम 50,000 रुपये और कुषि मजदूरों को तत्काल प्रभाव से 25,000 रुपये की सीधी वित्तीय सहायता प्रदान करे, ताकि वे इस मुश्किल समय में कुछ राहत पा सकें। महाराष्ट्र सरकार के राहत और पुनर्वास विभाग ने 14 अक्टूबर, 2026 को राज्य के 305 तालुकों को आधिकारिक तौर पर सूखा प्रभावित घोषित किया है। प्रभावित किसानों को राहत पहुंचाने के लिए महायुति सरकार ने कई महत्वपूर्ण रियायतों का ऐलान किया है। इसमें सूखा प्रभावित क्षेत्रों के किसानों को भू-राजस्व से पूरी तरह से छूट, फसल

ऋणों का पुनर्गठन और सभी प्रकार के कुषि ऋणों की वसूली पर तत्काल रोक शामिल है। इसके अतिरिक्त, कुषि पंपों के मौजूदा बिजली बिलों पर विशेष छूट दी जाएगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सूखा प्रभावित क्षेत्रों के छात्रों की परीक्षा फीस भी माफ की गई है, ताकि आर्थिक तंगी के कारण किसी भी बच्चे की पढ़ाई प्रभावित न हो। यह सामूहिक प्रयास संकटग्रस्त किसानों और उनके परिवारों को उम्मीद और समर्थन प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।



■ **मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में बीसी सखी पहल ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन को विस्तार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।**

आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों के मानदेय में वृद्धि कर इसे 3,000 रुपए से बढ़ाकर 12,000 रुपए प्रतिमाह किया है। साथ ही, स्वास्थ्य बीमा का लाभ देकर उनके स्वास्थ्य, सुरक्षा और सामाजिक कल्याण को भी संबल प्रदान किया जा रहा है। सीएम योगी ने कहा कि आज प्रदेश में बलिनी, सामर्थ्य, काशी, बाबा गोरखनाथ और सृजन जैसी दुग्ध उत्पादक कंपनियों से जुड़कर 31 जनपदों की 4 लाख से अधिक महिलाएं दुग्ध उत्पादन को आय,

उद्यमिता और आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम बनाते हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में बीसी सखी पहल ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन को विस्तार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आज प्रदेश में 1 करोड़ 20 लाख से अधिक महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर आत्मनिर्भरता की नई गाथा लिख रही हैं। लखपति दीदी पहल के माध्यम से महिलाएं अपनी मेहनत और हुनर को नियमित आय एवं आर्थिक समृद्धि में बदलकर अपने परिवार की खुशहाली सुनिश्चित कर रही हैं। उन्होंने एक्स पोस्ट में कहा, मां महागौरी की कृपा से प्रदेश में आज नारी शक्ति का जीवन सुरक्षा, सम्मान, सामर्थ्य और समृद्धि से आलोकित हो रहा है। सशक्त नारी, समृद्ध उत्तर प्रदेश।

कांग्रेस ने सीईसी ज्ञानेश कुमार को हटाने और एसआईआर को रोकने की मांग की

नई दिल्ली, एजेंसी।

निर्वाचन आयोग द्वारा राजनीतिक दलों को 'पढ़ने योग्य' प्रारूप में मतदाता सूची उपलब्ध कराने के फैसले के बीच कांग्रेस ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को तत्काल रोकने की अपनी मांग उठाई है। कांग्रेस ने 'वोट चोरी' के खिलाफ देश भर में हुए विरोध प्रदर्शनों का परिणाम बताया है।

पार्टी महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी बीते दो वर्ष से निर्वाचन आयोग से डिजिटल प्रारूप में मतदाता सूचियां उपलब्ध करने की मांग कर रहे थे, हमारी इस सही मांग को आयोग हर बार ठुकराता रहा। कांग्रेस नेता रमेश ने



बताया कि 2018 में जब कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में लाखों फर्जी मतदाता पकड़े थे, तभी चुनाव आयोग ने 'डिजिटल' मतदाता सूचियां देना बंद किया था, जिससे 'वोट चोरी' को संभव बनाया जा सके। उन्होंने मौजूदा फैसले को वोट चोरों के खिलाफ

सड़कों पर उतरे पुरे देश की जीत बताया। रमेश ने आरोप लगाया कि सीईसी ज्ञानेश कुमार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के निर्देशों पर काम कर रहे हैं, जिससे निर्वाचन आयोग पर जनता का भरोसा पूरी तरह खत्म हुआ है। उन्होंने

दुशांबे में एससीओ बैठक : राजनाथ सिंह करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 19–20 अक्टूबर को ताजिकिस्तान के दुशांबे में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की शासनाध्यक्ष परिषद की 25वीं बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले हैं। मोदी सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, महत्वपूर्ण बैठक का मुख्य उद्देश्य एससीओ सदस्य देशों के बीच बहुपक्षीय सहयोग को बेहतर करना है। विशेष रूप से व्यापार, अर्थव्यवस्था, निवेश, संपर्क, नवाचार और संस्कृति जैसे क्षेत्रों में गहन चर्चा होगी। रक्षा मंत्रावय ने बताया कि भारत एससीओ की विभिन्न व्यवस्थाओं में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है और क्षेत्रीय सहयोग में लगातार योगदान दे रहा है। भारत विशेषकर स्टार्टअप और नवाचार, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे तथा लोगों के बीच आपसी संपर्क जैसे क्षेत्रों में पहल के माध्यम से सहयोग को बढ़ावा दे रहा है। बैठक में जारी सहयोग पहलों की प्रगति की समीक्षा होगी और संगठन के वित्तीय व संस्थागत कामकाज से जुड़े निर्णयों पर विचार होगा।

छेड़खानी पर पप्पू यादव का बड़ा ऐलान : हाथ काटो, 2 लाख पाओ

मधेपुरा, एजेंसी।

बिहार में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती घिनौनी वारदातों के बीच, पूर्णिया के निर्दलीय सांसद और जन अधिकार पार्टी (लोकतांत्रिक) के प्रमुख पप्पू यादव ने एक बड़ा और विवादास्पद ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा है कि लड़कियों से छेड़छाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति का हाथ काट कर लाने वाले को वे



2 लाख रुपये का इनाम दूंगा। यह घोषणा उन्होंने दुर्गा पूजा के मौके पर मधेपुरा में आयोजित खुदा महोत्सव के मंच से की।

सांसद यादव ने कहा, बेटी की तरफ हाथ उठाने वालों के हाथ को काट कर लाएं और पप्पू यादव से 2 लाख रुपया इनाम लीजिए। मैं आपको वादा करता हूँ कि जो भी बेटी को छेड़ता है उस दंड दीजिए और आकर पप्पू यादव से तुरंत 2 लाख रुपया लीजिए। उन्होंने कहा कि बेटी और मां के सवाल पर कोई नुकसान पहुंचाया था। पुलिस ने इन मामलों में कई आरोपियों को गिरफ्तार किया था, और जगहों कांड के एक

आरोपी का हाफ एनकाउंटर भी किया था। इन घटनाओं पर सभी राजनीतिक दलों ने चिंता व्यक्त करते हुए अपराधियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की थी। पप्पू यादव खुदा महोत्सव का उद्घाटन करने पहुंचे थे, इस इंसानियत, सामाजिक सद्भाव और आपसी भाईचारे का प्रतीक बताया जाता है। उन्होंने मंच से देश की अर्थव्यवस्था और लोकतंत्र पर भी केंद्र सरकार की आलोचना की, लेकिन उनके मुख्य संदेश का केंद्रबिंदु महिलाओं की सुरक्षा और छेड़छाड़ करने वालों के खिलाफ उनकी कड़ी चेतावनी थी।

संपादकीय

सुखना अब ‘रामसर’

यह सुखद ही है कि अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चंडीगढ़ की सुखना झील के महत्व को स्वीकारा गया है। अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार सुखना वेटलैंड को ह्यारामसर साइटह्म का दर्जा मिलना चंडीगढ़ के लिये गर्व की बात है। लेकिन यह सम्मान मिलना हमारी जवाबदेही को भी बढ़ाना वाला भी है। साथ ही मानकीकरण, एक ऐसे पारिस्थितिकीय तंत्र को संरक्षित करने की तत्काल आवश्यकता पर बल देता है- जो इसके तल पर गाद जमा होने,जल भंडारण क्षमता घटने तथा बढ़ते पर्यावरणीय दबावों के कारण हमारे सामने चुनौती पैदा कर रहा है। वहीं दूसरी ओर अंतर्राष्ट्रीय पहचान पाने वाला शहर का यह पहला वेटलैंड यानी आर्द्रभूमि, केवल सरकारी उपलब्धि का प्रतीक मात्र बनकर नहीं रह जाना चाहिए। अब जरूरत इसकी मूल समस्याओं को दूर करने की होगी। उल्लेखनीय है कि यह ह्यारामसरह्म नाम ईरान के एक शहर के नाम से आया है, जहां इसे वर्ष 1971 में आर्द्रभूमि पर एक अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन में अपनाया गया था। निस्संदेह, सुखना केवल मनोरंजन का एक स्थान मात्र नहीं है। इसका पारिस्थितिकीय स्वास्थ्य शिवालिक जलग्रहण क्षेत्र, आसपाल के जंगलों और प्राकृतिक जल निकासी मार्गों पर निर्भर करता है। इस व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र को बचाए बिना केवल झील का संरक्षण करना एक अदूरदर्शी कदम होगा। यहां यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि सिर्फ अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मिल जाने से ही पारिस्थितिकीय अस्तित्व की गारंटी नहीं मिल जाती है। विगत में देश के अन्य भागों के अनुभव हमें एक चेतावनी देने का काम करते हैं। पूर्वी कोलकाता के वेटलैंड्स बढ़ती जनसंख्या के चलते अतिक्रमण और तेजी से विस्तार लेते शहरीकरण की समस्या का सामना कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर कश्मीर की वुलर झील का जल क्षेत्र सिमट रहा है। उसकी स्थिति समय के साथ खराब हुई है। कमोबेश ऐसी ही समस्या ओडिशा की चिल्का झील की भी है, जो गाद जमा होने की चुनौती से जूझ रही है। ऐसे में चंडीगढ़ प्रशासन को आने वाले समय में सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिये दूरगामी नीतियों का अनुपालन करना होगा।

अब शासन-प्रशासन को ध्यान देना चाहिए कि सुखना झील की जल भंडारण क्षमता, इसके तल में गाद जमने से लगातार कम हो रही है। वहीं दूसरी ओर जल स्तर में उतार-चढ़ाव और प्रदूषण का बढ़ना बताता है कि यहां निरंतर उपचारात्मक प्रयासों की जरूरत है। हम कभी-कभार गाद निकालने की कवायद करके समस्या का समाधान नहीं कर सकते। वास्तव में मिट्टी का संरक्षण, जल निकासी, चैनलों की सुरक्षा, वैज्ञानिक जल प्रबंधन और प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण के लिये एकीकृत रणनीति बनाने की जरूरत होगी। वहीं रामसर का दर्जा मिलने का यह मतलब कदापि नहीं है कि यहां निर्माण कार्य नहीं हो सकते, या इससे फंडिंग की गारंटी मिलती है। हमें यह भी नहीं मान लेना चाहिए कि यह दर्जा मिलने से पारिस्थितिक नुकसान को रोका जा सकता है। निस्संदेह, प्रशासन को सुरक्षा उपायों को लागू करने के लिये गंभीर प्रयास करने होंगे। इसके साथ ही जैव विविधता और पानी की गुणवत्ता की निगरानी के लिये पहल करनी चाहिए। इसके अलावा संरक्षण योजनाओं को पूरी पारदर्शिता के साथ लागू करना चाहिए। ध्यान रहे कि सुखना झील का जगहगण क्षेत्र चंडीगढ़ के बाहरी इलाके तक फैला हुआ है। इसलिए पंजाब और हरियाणा के साथ समन्वय भी उतना ही जरूरी है। इसमें दो राय नहीं कि कोई भी आर्द्रभूमि, पारिस्थितिकीय तंत्र के लिये हमारी अत्यंत महत्वपूर्ण धरोहर होती है। इसके संरक्षण का असली मानक यह होगा कि झील का परिदृश्य अधिक स्वस्थ हो, उसकी जल भंडारण क्षमता बहाल की जाए और साथ ही वन्यजीवों के फलने-फूलने के लिये अनुकूल वातावरण बन सके। विश्वास किया जाना चाहिए कि सुखना के संरक्षण से अब हर साल आने वाले प्रवासी पक्षियों की संख्या में वृद्धि होगी। साथ ही ईको टूरिज्म को भी बढ़ावा मिल सकेगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि सुखना झील के अंतर्राष्ट्रीय मानचित्र में उभरने से दुनियाभर के पर्यावरण और पक्षियों के प्रेमियों की आवाक बढ़ सकती है। निस्संदेह, इससे चंडीगढ़ शहर की पहचान बढ़ेगी और ईको-टूरिज्म बढ़ने से रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

सूक्ति

मैंने यही सीखा है कि चाहे जो कुछ भी हो, या आज वक्त चाहे कितना भी बुरा लगता है, लेकिन जीवन हमेंसा आगे बढ़ता है, और यह कल बेहतर होगा। – माया एंजेले

जो चीज विकार को मिटा सके। राग-द्वेष को कम कर सके। जिस चीज के उपयोग से मन सुली पर चढ़ते समय भी सत्य पर डटा रहे वही धर्म की शिक्षा है। – महात्मा गांधी

वास्तविकताओं से परे

सियासत की अंकतालिका में हिमाचल का नागरिक समाज जिन मुद्दों का मुरीद हो रहा है, वहां प्रदेश की वित्तीय स्थिति घायल व अपाहिज हो चुकी है। आश्चर्य यह कि नागरिक समाज न तो संघर्ष की सतह पर खड़ा हो पाता है और न ही प्रदेश के किरदार में जगह ढूँढ पाता है, लिहाजा इसे आती जाती सरकारों से सियासी खुराक चाहिए। राजनीति यहां पांच साल की खुराक में नागरिक समाज की आँकत बता देती है और जहां रीढ़ विहीन मिन्नते दरबारी बन जाती हैं। समाज केंचुआ प्रवृत्ति को भांपते हुए सियासी मुद्दों की कौन सी समीक्षा करेगा। थोड़ा सा फर्क सोशल मीडिया के कारण जरूर आया है और इसलिए हकीकत के सामने ह्यमुखौटेह्म बेपर्दा होने लगे हैं। अभी हाल ही में जिलों की नई वकालत में प्रदेश के पुराने सारे संदर्भ और परिस्थितियां गुम होनी लगी हैं, तो ताजुब्ब नहीं होना चाहिए कि समाज दिन में सपने देखकर अपने अंधेरों को गुमराह करने लगा है। आश्चर्य यह है कि समाज पंचायत जैसी इकाई की कार्यपद्धति में अप्रासंगिक होते हुए भी, यह मनोकामना करता है कि सरकार कुछ नए स्तंभ बनाए, घोषणाओं की मशहूरी करे या ऐसी खुशखबरी सुनाए जो वास्तविकताओं से परे स्वप्न नगरियों का उदय जैसा है। ऐसी ही स्वप्न नगरी से इस बार चादर हटाई तो सामने नए जिलों के सपनों के आगे जनता भीख मांगती नजर आएगी। आप जितनी गिनती कर सकते हैं, उतने जिले उक्रे दो। कम से कम सोशल मीडिया के तलबगार तो कह रहे हैं कि हर विधानसभा क्षेत्र में कम से कम एक नया जिला निकल आए। यानी आगामी चुनाव की जीत-हार के लिए कोई न कोई जिला चाहिए। कभी नया स्कूल खोलकर वोट आते थे, फिर मतों ने नए कालेज खोले।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552



ललित गर्ग

कि सी राष्ट्र की प्रगति का वास्तविक मूल्यांकन केवल उसकी आर्थिक विकास दर, विशाल औद्योगिक परियोजनाओं, आधुनिक तकनीक, विदेशी निवेश और ऊंची प्रति व्यक्ति आय से नहीं किया जा सकता। विकास की सार्थकता तब सिद्ध होती है, जब समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षा मिले, श्रमिक को अपने भविष्य के प्रति विश्वास हो, वृद्धावस्था अभाव का पर्याय न बने और बीमारी किसी परिवार को आर्थिक संकट के गर्त में न धकेल दे। सामाजिक सुरक्षा इसी मानवीय विकास का आधार है। यह केवल सरकारी सहायता की व्यवस्था नहीं, बल्कि नागरिकों के सम्मान, आत्मविश्वास, आर्थिक स्थिरता और सामाजिक न्याय का ऐसा आधारस्तंभ है, जिस पर एक सशक्त एवं समावेशी राष्ट्र का निर्माण होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पिछले वर्षों में जनकल्याणकारी योजनाओं के विस्तार के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा को व्यापक बनाने की दिशा में अनेक कदम उठाए हैं। इन पहलों ने करोड़ों लोगों को विभिन्न प्रकार की आर्थिक, स्वास्थ्य, खाद्य और सामाजिक सहायता से जोड़ने में भूमिका निभाई है। हालाँकि, बदलती आर्थिक परिस्थितियों और विशाल श्रमबल की आवश्यकताओं को देखते हुए अभी इस दिशा में बहुत कुछ किया जाना शेष है।

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सामाजिक सुरक्षा का दायरा वर्ष 2015 के 19 प्रतिशत से बढ़कर 64.3 प्रतिशत यानी 94 करोड़ से अधिक नागरिकों तक पहुंच गया है। यह विस्तार बताता है कि सामाजिक संरक्षण अब देश की विकास संबंधी प्राथमिकताओं का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। लेकिन सामाजिक सुरक्षा की सफलता का आकलन केवल लाभार्थियों की संख्या से नहीं होना चाहिए। वास्तविक प्रश्न यह है कि कितने लोगों को आवश्यकता के समय पर्याप्त सहायता मिलती है, कितने परिवार बीमारी और बेरोजगारी के संकट से उबर पाते हैं तथा कितने श्रमिक बुढ़ापे में सम्मानपूर्वक जीवन जीने की स्थिति में हैं। योजनाओं की व्यापकता के साथ उनकी पर्याप्तता, गुणवत्ता और निरंतरता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में सामाजिक सुरक्षा का महत्व इसलिए भी अधिक है, क्योंकि यहां श्रमबल का बड़ा हिस्सा असंगठित क्षेत्र से जुड़ा है। उपलब्ध श्रम संबंधी आंकड़ों के अनुसार, देश के कुल श्रमबल में लगभग 87 प्रतिशत हिस्सेदारी असंगठित क्षेत्र की है। खेतों में काम करने वाले किसान-मजदूर, निर्माण श्रमिक, घरेलू कामगार, रेहड़ी-पट्टरी वाले, छोटे दुकानदार, दैनिक वेतनभागी और विभिन्न सेवाओं से



जुड़े कामगार देश की अर्थव्यवस्था को गति देते हैं। लेकिन इनमें से बड़ी संख्या के पास नियमित वेतन, भविष्य निधि, पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और दुर्घटना सुरक्षा जैसी सुविधाएं नहीं हैं। रोजगार मिलने और छिने के बीच उनका जीवन अक्सर अनिश्चितता से घिरा रहता है। ऐसे में सामाजिक सुरक्षा को केवल संगठित क्षेत्र तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं है। इसकी पहुंच उन हाथों तक भी सुनिश्चित करनी होगी, जो देश की उत्पादन व्यवस्था और सेवा अर्थव्यवस्था को अपने श्रम से संचालित करते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने जनधन खातों, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, आधार आधारित पहचान और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के माध्यम से सरकारी सहायता को लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिए एक व्यापक व्यवस्था विकसित की है। प्रधानमंत्री जनधन योजना ने बैंकिंग सुविधाओं से वंचित लोगों को औपचारिक वित्तीय व्यवस्था से जोड़ने में योगदान दिया है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण ने अनेक योजनाओं में बिचौलियों की भूमिका कम करने और सहायता राशि सीधे लाभार्थियों के खातों तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त किया है। इन व्यवस्थाओं ने सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के क्रियान्वयन को अधिक पारदर्शी बनाने की संभावनाएं मजबूत की हैं।

स्वास्थ्य सुरक्षा सामाजिक संरक्षण का सबसे संवेदनशील पक्ष है। आधुनिक भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना ने पात्र परिवारों को अस्पताल में भर्ती होकर उपचार कराने के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को आधुमान वय वंदना योजना के माध्यम से स्वास्थ्य कवरेज के दायरे में लाने की पहल ने वृद्धावस्था में चिकित्सा संबंधी चिंताओं को कम करने का प्रयास किया है। फिर भी सार्वजनिक स्वास्थ्य पर व्यय बढ़ाने, प्राथमिक स्वास्थ्य

केंद्रों को सशक्त बनाने, ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और दवाओं तथा जांच की लागत कम करने की आवश्यकता बनी हुई है। गंभीर बीमारी के कारण किसी परिवार की व्षों की बचत समाप्त हो जाना या उसे कर्ज लेने के लिए विवश होना सामाजिक सुरक्षा की अपूर्णता को उजागर करता है। स्वास्थ्य सुविधाएं तभी प्रभावी सुरक्षा कवच बनेंगी, जब उपचार की उपलब्धता के साथ उसकी वहनियता भी सुनिश्चित होगी।

आर्थिक सुरक्षा के क्षेत्र में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना जैसी पहलें अलग-अलग वर्गों की आवश्यकताओं को संबोधित करती हैं। पीएम-किसान के माध्यम से पात्र किसान परिवारों को प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता मिलती है। अटल पेंशन योजना असंगठित क्षेत्र के लोगों को वृद्धावस्था में नियमित आय की व्यवस्था से जोड़ने का प्रयास करती है। जीवन ज्योति बीमा और सुरक्षा बीमा योजनाएं क्रमशः जीवन बीमा तथा दुर्घटना बीमा के माध्यम से परिवारों को संभावित आर्थिक संकट से बचाने में सहायक हैं। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना, जिसे पीएम-पोषण के नाम से जाना जाता है, विद्यालयों में बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के माध्यम से पोषण और शिक्षा से जुड़े सामाजिक उद्देश्यों को आगे बढ़ाती है।

श्रमिकों की दीर्घकालिक आर्थिक सुरक्षा की दृष्टि से कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) का दायरा बढ़ाने संबंधी कदम भी महत्वपूर्ण हैं। उपलब्ध कराए गए विवरण के अनुसार, 17 सितंबर 2026 से अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा के लिए मासिक वेतन सीमा 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये किए जाने का प्रावधान है। यदि इसका क्रियान्वयन निर्धारित स्वरूप में होता है, तो लगभग 51 लाख अतिरिक्त कर्मचारी अनिवार्य

आस्था के उत्सव में मौत



समारोहों में। हर ऐसी घटना के बाद शोक व्यक्त किया जाता है, मुआवजे की घोषणा होती है, जांच के आदेश दिए जाते हैं और कुछ समय तक सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा चलती है। फिर धीरे-धीरे सब कुछ सामान्य हो जाता है। अगला उत्सव आता है, भीड़ जुटती है और वही पुरानी कमजोरियां नए हादसे की आशंका पैदा करने लगती हैं। यह सिलसिला बताता है कि समस्या केवल किसी एक अधिकारी की व्यवस्था या किसी एक आयोजन की अव्यवस्था तक सीमित नहीं है। इसके पीछे सुरक्षा को लेकर हमारी संस्थागत सोच की कमियां भी हैं।

भीड़ अपने आप में दुर्घटना का कारण नहीं होती। समस्या तब पैदा होती है जब लोगों की संख्या उपलब्ध स्थान की क्षमता से अधिक हो जाती है, आवाजाही के रास्ते अवरुद्ध होते हैं, प्रवेश और निकास का प्रवाह बिगड़ता है या किसी अपमवाह, अचानक हुई बारिश अथवा अप्रत्याशित घटना से लोग एक साथ आगे बढ़ने लगते हैं। भीड़ के दबाव में गिरा हुआ व्यक्ति दूसरों के लिए भी खतरा बन सकता है। ऐसे समय में कुछ क्षणों की अव्यवस्था जानलेवा साबित हो सकती है। इसलिए भीड़ प्रबंधन का अर्थ केवल पुलिसकर्मियों की तैनाती या बैरिकेड लगाने तक सीमित नहीं है। इसके लिए वैज्ञानिक आकलन, प्रशिक्षित कर्मियों, स्पष्ट संचार और आपातकालीन निकासी की समन्वित व्यवस्था जरूरी है।

धार्मिक आयोजनों की सुरक्षा में मौसम संबंधी जोखिमों की भी गंभीरता से लिया जाना चाहिए। बारिश, बिजली गिरने की आशंका, तेज हवा और जलप्रवाह जैसी परिस्थितियां किसी आयोजन की व्यवस्था को अचानक प्रभावित कर सकती हैं। ऐसे में आयोजकों के पास वैकल्पिक योजना होनी चाहिए। भीड़ को सुरक्षित स्थानों पर रोकने, प्रवेश अस्थायी रूप से बंद करने, लाउडस्पीकर के माध्यम से स्पष्ट निर्देश देने और जरूरत पड़ने पर आयोजन स्थगित करने का निर्णय समय रहते लिया जाना चाहिए। श्रद्धालुओं को दर्शन से रोकना कुछ समय के लिए अप्रिय लग सकता

है, लेकिन लोगों की जान बचाने के सामने ऐसी असुविधा का महत्व बहुत कम है। दुर्घटना के बाद मुआवजा देना मानवीय सहायता का जरूरी हिस्सा है। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उन्हें तत्काल आर्थिक सहायता, कानूनी मदद और प्रशासनिक सहयोग मिलना चाहिए। घायलों के उपचार में किसी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। लेकिन मुआवजा किसी व्यक्ति की ज़िंदगी का विकल्प नहीं हो सकता। एक परिवार का कमाने वाला सदस्य चला जाए, किसी मां की गोद उठ जाए या किसी बच्चे के सिर से माता-पिता का साया उड़ जाए, तो आर्थिक सहायता उस क्षति को पूरा नहीं कर सकती। इसलिए सरकार और प्रशासन की प्राथमिकता केवल हादसे के बाद राहत देने की नहीं, बल्कि हादसे से पहले उसे रोकने की होनी चाहिए। जवाबदेही का प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है। किसी दुर्घटना के बाद केवल पूजा समिति या किसी एक कर्मचारी को दोषी ठहरा देना पर्याप्त नहीं होगा। यह पता लगाना जरूरी है कि आयोजन की अनुमति किन शर्तों पर दी गई थी, सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन हुआ या नहीं, स्थल की क्षमता का आकलन किसने किया, पुलिस और प्रशासन की तैनाती कैसी थी तथा जोखिम बढ़ने पर समय रहते क्या कदम उठाए गए। यदि आयोजकों, सुरक्षा एजेंसी या संबंधित अधिकारियों की लापरवाही सामने आती है, तो कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन जांच निष्पक्ष होनी चाहिए और जिम्मेदारी का निर्धारण प्रमाणों के आधार पर होना चाहिए, न कि राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के आधार पर। कोलकाता की इस त्रासदी से देश के दूसरे शहरों को भी सीख लेनी चाहिए। दुर्गा पूजा, गणेशोत्सव, छठ, कांवड़ यात्रा, धार्मिक मेले, मंदिरों के वार्षिक उत्सव और बड़े सांस्कृतिक समारोहों में लाखों लोग शामिल होते हैं। प्रत्येक आयोजन की प्रकृति अलग हो सकती है, लेकिन सुरक्षा के बुनियादी सिद्धांत समान हैं। भीड़ की क्षमता के अनुसार प्रवेश-पत्र या समय-आधारित दर्शन की व्यवस्था, अलग

भविष्य निधि व्यवस्था के दायरे में आ सकते हैं। यह बदलाव उन कर्मचारियों के लिए विशेष महत्व रखता है, जिनका वेतन बढ़ने के कारण वे पुरानी सीमा के बाहर रह जाते थे। भविष्य निधि में निवमित अंशदान से सेवानिवृत्ति के लिए बचत का आधार तैयार होता है, जबकि लागू प्रावधानों के अनुसार पेंशन और बीमा संबंधी सुविधाएं भी परिवार को आर्थिक सहारा प्रदान कर सकती हैं। हालाँकि, इस विस्तार के साथ कर्मचारियों की वर्तमान हाथ में आने वाली आय, नियोक्ताओं की लागत और छोटे उद्यमों की वित्तीय क्षमता के बीच संतुलन बनाना भी आवश्यक होगा। सामाजिक सुरक्षा के विस्तार में ई-श्रम पोर्टल एक महत्वपूर्ण माध्यम बनकर उभरा है। बदलती अर्थव्यवस्था ने सामाजिक सुरक्षा के सामने नई चुनौतियां भी खड़ी की हैं। गिग और प्लेटफॉर्म अर्थव्यवस्था में काम करने वाले डिलीवरी कर्मियों, कैब चालकों तथा अन्य सेवा प्रदाताओं को रोजगार के अवसर तो मिलते हैं, लेकिन उनकी आय, कार्य-अवधि और भविष्य की सुरक्षा अक्सर अनिश्चित रहती है। इसी प्रकार महिलाओं, प्रवासी श्रमिकों, दिव्यांगों और वृद्ध नागरिकों की जरूरतें एक जैसी नहीं हैं। महिला श्रमिकों के लिए मातृत्व लाभ और सुरक्षित कार्यस्थल, प्रवासी श्रमिकों के लिए राज्य की सीमाओं से परे भी उपलब्ध रहने वाली सुविधाएं तथा निर्माण श्रमिकों के लिए कल्याणकारी योजनाओं तक सरल पहुंच सुनिश्चित करना आवश्यक है। सामाजिक सुरक्षा का ऐसा लचीला मॉडल विकसित होना चाहिए, जिसमें व्यक्ति के नियोक्ता, कार्यस्थल अथवा निवास स्थान बदलने पर भी उसके अधिकार बाधित न हों।

इसके साथ ही वृद्धावस्था और विधवा पेंशन की राशि को महंगाई के अनुरूप अधिक पर्याप्त बनाने, सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय बढ़ाने और असांगठित श्रमिकों के लिए योगदान आधारित पेंशन तथा बीमा विकल्पों को सरल एवं सुलभ बनाने पर विशेष ध्यान देना होगा। पंचायतों, नगर निकायों और साझा सेवा केंद्रों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रसार तथा पंजीकरण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। विकसित भारत का स्वप्न तभी साकार होगा, जब आर्थिक विकास के साथ सामाजिक संवेदनशीलता और मानवीय गरिमा भी समान गति से आगे बढ़ें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सामाजिक सुरक्षा का विस्तृत होता दायरा इस दिशा में एक महत्वपूर्ण नीतिगत परिवर्तन को रेखांकित करता है। लेकिन अगला चरण केवल योजनाओं के विस्तार का नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन, पर्याप्त वित्तीय संसाधनों और अंतिम व्यक्ति तक वास्तविक लाभ पहुंचाने का होना चाहिए। सामाजिक सुरक्षा पर होने वाला व्यय सरकारी खजाने पर बोझ नहीं, बल्कि स्वस्थ, उत्पादक और आत्मविश्वासी समाज के निर्माण में निवेश है। जब श्रमिक को भविष्य की चिंता से राहत मिलेगी, किसान को संकट में सहारा मिलेगा, वृद्ध को सम्मानपूर्ण जीवन और गरीब परिवार को बीमारी के समय उपचार का भरोसा मिलेगा, तभी विकास की उपलब्धियां जनजीवन में सार्थक परिवर्तन ला सकेंगी। यह समावेशी विकास की वास्तविक कसौटी और एक सशक्त, संवेदनशील तथा आत्मनिर्भर भारत की आधारभूमि है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

प्रवेश और निकास मार्ग, प्रशिक्षित स्वयंसेवक, पर्याप्त प्रकाश, सीसीटीवी निगरानी, चिकित्सा सहायता केंद्र, एंबुलेंस के लिए निर्बाध रास्ता और आपातकालीन निकासी की पूर्वीनिर्धारित योजना अनिवार्य होनी चाहिए। केवल कागज पर योजना बना देना पर्याप्त नहीं है; उसका अभ्यास और नियमित निरीक्षण भी जरूरी है। आयोजन समितियों को भी यह समझना होगा कि लोकप्रियता और भीड़ का आकार ही सफलता का पैमाना नहीं है। बड़े पंडाल, आकर्षक सजावट, भव्य प्रकाश व्यवस्था और प्रायोजकों की भागीदारी तभी सार्थक हैं, जब श्रद्धालु सुरक्षित वातावरण में दर्शन कर सकें। प्रशासन को अनुमति देते समय सुरक्षा मानकों की जांच करनी चाहिए और आयोजन के दौरान भी उनकी निगरानी करनी चाहिए। यदि भीड़ नियंत्रण से बाहर हो रही हो, तो किसी भी दबाव से मुक्त होकर प्रवेश रोकने या आयोजन अस्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया जाना चाहिए। सुरक्षा संबंधी नियमों को औपचारिकता मानने की प्रवृत्ति समप्त करनी होगी।

मीडिया और नागरिक समाज की भी इसमें भूमिका है। दुर्घटना के समय अपृष्ट तस्वीरों, मृतकों की गलत संख्या और सनसनीखेज दावों को प्रसारित करने के बजाय विश्वसनीय सूचना को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। अफवाहें राहत और बचाव के काम को बाधित कर सकती हैं। वहीं, दुर्घटना के बाद मीडिया का दायित्व केवल घटनास्थल के दृश्य दिखाना नहीं, बल्कि जांच के निष्कर्षों और सुरक्षा सुधारों पर भी नजर रखना है। जब तक जवाबदेही तय नहीं होती और व्यवस्था में वास्तविक बदलाव नहीं आता, तब तक सार्वजनिक विमर्श को जीवित रखना जरूरी है।

मां दुर्गा की आराधना शक्ति, साहस और अन्याय के विरुद्ध सुषों का संदेश देती है। दुर्गा पूजा का उत्सव जीवन, समुदायिक एकता और सांस्कृतिक उल्लास का उत्सव है। यदि इसी उत्सव में श्रद्धालुओं की जान चली जाए, तो हमें अपनी व्यवस्थाओं पर गंभीर आत्ममंथन करना चाहिए। आस्था के नाम पर जोखिम को स्वीकार नहीं किया जा सकता। श्रद्धालु प्रशासन पर भरोसा करके अपने परिवार के साथ घर से निकलते हैं। उस भरोसे की रक्षा करना राज्य, आयोजकों और समाज की साझा जिम्मेदारी है। चोरबागान की घटना में जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके दुःख की भरपाई संभव नहीं है। लेकिन उनकी पीड़ा को केवल शोक संदेशों और मुआवजे की घोषणाओं तक सीमित कर देना भी अन्याय होगा। इस त्रासदी की निष्पक्ष जांच हो, जिम्मेदारी तय हो और उसके निष्कर्षों के आधार पर सुरक्षा व्यवस्था में ठोस सुधार किए जाएं। आने वाले हर बड़े आयोजन में इन सुधारों की परीक्षा होनी चाहिए।

उत्सव की सफलता भीड़ की विशालता से नहीं, लोगों की सुरक्षा से तय होती है। मां के दर्शन के लिए निकला कोई श्रद्धालु अपने घर लौटते समय जीवन की सबसे बड़ी त्रासदी लेकर न लौटे-यही किसी भी सभ्य समाज, संवेदनशील प्रशासन और जिम्मेदार आयोजन व्यवस्था की असली कसौटी है।

नवरात्रि के पावन अवसर पर वृद्धाश्रम में राष्ट्र सेवी संगठन ने बांटे फल

हसनपुर/अमरोहा(सब का सपना):- शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व के उपलक्ष्य में रविवार को राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकर्ताओं ने सामाजिक सरोकार की एक सराहनीय पहल की। संगठन के सदस्यों ने क्षेत्र स्थित बाबा घनश्याम दास वृद्धाश्रम पहुंचकर वहां रह रहे वृद्धजनों और बुजुर्गों को ताजे फल वितरित किए। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों से भेंटकर उनका हाल-चाल जाना और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर राष्ट्र सेवी संगठन के राष्ट्रीय संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने कहा कि नवरात्रि का



पर्व केवल पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नर सेवा को नारायण सेवा मानकर जरूरतमंदों और बुजुर्गों की सेवा करने का भी संदेश देता है। बुजुर्ग समाज की

कृष्ण कुमार शर्मा, मास्टर रामवीर सिंह, भारतीय किसान संघ के प्रांत गन्ना प्रमुख महिपाल सिंह, सहकारी संघ कुंदरखी भूड के सभापति करन सिंह तथा रूपचंद चौहान विशेष रूप से मौजूद रहे। इसके साथ ही कार्यक्रम में मोनू अग्रवाल, कैलाश सिंह एडवोकेट, सतीश चौहान, लोकेश चौहान और यशवीर सिंह सहित संगठन के कई अन्य कार्यकर्ता और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। वृद्धाश्रम के बुजुर्गों ने संगठन के इस सेवा भाव को भूरी-भूरी प्रशंसा की और सभी कार्यकर्ताओं को अपना आशीर्वाद दिया।

डिडौली क्षेत्र में लकड़ी माफियाओं द्वारा आम के पेड़ काटने का मामला, संबंधित अधिकारी मौन



डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के डिडौली थाना क्षेत्र में लकड़ी माफियाओं द्वारा आम के हरे भरे पेड़ काटने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि लकड़ी माफियाओं द्वारा इस अवैध कटान

को जोया ब्लाक के सिवोरा रोड स्थित एक आम के बाग में रात के अंधेरे में किया गया। जानकारी अनुसार माफियाओं द्वारा आम के छह हरे भरे पेड़ काटे गए हैं। बता दें कि स्थानीय लोगों के मुताबिक, क्षेत्र में लगातार पेड़ों का अवैध



कटान हो रहा है। कई बार शिकायत के बावजूद इस पर रोक नहीं लग पा रही है। इससे पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है और हरियाली भी कम हो रही है।वन विभाग के डीएफओ राजीव कुमार ने बताया कि पेड़ों

के कटान की सूचना मिली है। मौके पर जांच के लिए बीट अधिकारियों को भेजा जा रहा है। जांच में अवैध कटान की पुष्टि होने पर दोषियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मिशन शक्ति फेज-6.0 के अंतर्गत बाल विवाह एवं सामाजिक कुरीतियों के प्रति महिलाओं व बालिकाओं को किया जागरूक

गजरोला/अमरोहा (सब का सपना):- शारदीय नवरात्र-2026 के उपलक्ष्य में प्रारंभ किए गए मिशन शक्ति फेज-6.0 अभियान के अंतर्गत रविवार को थाना गजरोला की मिशन शक्ति टीम द्वारा ग्राम चाकी खेड़ा स्थित सिद्धार्थ बोर्डिंग अकैडमी में बहु-बेटी अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं एवं बालिकाओं को एकत्रित कर बाल विवाह, दहेज प्रथा, छुआछूत एवं जातिवाद जैसी सामाजिक कुरीतियों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान



बालिकाओं द्वारा बाल विवाह के विरुद्ध नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर समाज को जागरूकता का संदेश दिया गया। मिशन शक्ति टीम थाना गजरोला द्वारा बाल विवाह निषेध

अधिनियम, 2006 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया गया कि विवाह के लिए लड़कियों की न्यूनतम आयु 18 वर्ष तथा लड़कों की न्यूनतम आयु 21 वर्ष निर्धारित है।

निर्धारित आयु से पहले विवाह कराने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कानूनी दंड के प्रावधानों के बारे में भी अवगत कराया गया।

इसके साथ ही कम उम्र में मातुत्व धारण करने से बालिकाओं के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों तथा भविष्य में होने वाली संभावित स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक कर सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन तथा बाल विवाह की रोकथाम के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

नागपाल इंटरनेशनल स्कूल में धूमधाम से मना दशहरा, नौ देवियों की झांकी और रावण दहन बना आकर्षण का केंद्र

गजरोला/अमरोहा (सब का सपना):- नागपाल इंटरनेशनल स्कूल, गजरोला में दशहरा समारोह अत्यंत भव्यता, उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर को सुंदर ढंग से सजाया गया, जिससे पूरे वातावरण में उत्सव की रौनक छा गई। कार्यक्रम का शुभारंभ भी सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं दुर्गा पूजा के साथ किया गया। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से सभी का मन मोह लिया। समारोह में नच्चे-मुन्ने बच्चों ने नौ देवियों के विभिन्न स्वरूपों को धारण कर मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। उनकी सुंदर वेशभूषा और आकर्षक झांकियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों ने उत्साहपूर्वक डाडिया नृत्य प्रस्तुत किया, जिसने कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए। कुछ बच्चे भगवान श्रीराम की सेना, बाजर सेना और कुछ रावण की सेना के रूप में सजे नजर आए। उनकी आकर्षक



वेशभूषा और शानदार प्रस्तुतियों ने पूरे समारोह को भव्य एवं यादगार बना दिया। इस अवसर पर ने चेयरपर्सन अंशु नागपाल ने बच्चों को दशहरे के महत्व और भगवान श्रीराम के आदर्शों के बारे में समझाया। उन्होंने बताया कि दशहरा केवल रावण दहन का पर्व नहीं, बल्कि बुराई पर अच्छाई, असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। उन्होंने बच्चों को समझाया कि रावण अत्यंत विद्वान होने के बावजूद अपने अहंकार और

गलत कर्मों के कारण पराजित हुआ, जबकि भगवान श्रीराम ने सत्य, मर्यादा, विनम्रता और धर्म के मार्ग पर चलकर विजय प्राप्त की। बच्चों को प्रेरित किया गया कि वे अपने जीवन में क्रोध, झूठ, ईर्ष्या और अहंकार जैसी बुराइयों को दूर करें तथा सदैव सत्य बोलें, बड़ों का सम्मान करें और दूसरों के प्रति दया एवं प्रेम का भाव रखें। कार्यक्रम का समापन भव्य रावण दहन के साथ हुआ। पूरा विद्यालय परिसर जय श्रीराम के उद्घोष से गूँज उठा और

सभी ने बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश आत्मसात किया। समारोह में विद्यालय की चेयरपर्सन अंशु नागपाल, प्रधानाचार्या निशि सिंह, समस्त शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। सभी के सहयोग और सामूहिक प्रयासों से यह आयोजन अत्यंत सफल एवं यादगार बना। इस समारोह ने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, परंपराओं और नैतिक मूल्यों से जुड़ने तथा जीवन में सत्य, प्रेम, सदाचार और सकारात्मकता अपनाने की प्रेरणा दी।

विजयदशमी के मौके पर स्वयंसेवकों ने निकाला मार्च

स्योहरा/बिजनौर (सब का सपना):- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा विजयदशमी के पावन अवसर पर रविवार को नगर पथ संचलन का कार्यक्रम केशव भवन, संघ कार्यालय से धूमधाम के साथ नगर कार्यवाह वैभव रस्तोगी के सान्निध्य में प्रारंभ हुआ। इस कार्यक्रम में जिला कार्यवाह परीक्षित मुख्त वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में विजयदशमी के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला कार्यक्रम का प्रारंभ आद्य सर संचालक प्रणाम से हुआ। इस अवसर पर गढ़ गीत अमन जोशी द्वारा, अमृत वचन आर्यन रस्तोगी द्वारा, तथा एकल गीत उमानंद



विश्नोई द्वारा अत्यंत मधुर एवं भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किए गए।पथ संचलन नगर में बड़े जोश और उल्लास के साथ निकाला गया। बिगुल की ध्वनि ने संचलन की शोभा को और अधिक आकर्षक बना दिया, जिसमें कोमल जी, शौर्य, नमन

देव सहित अनेक स्वयंसेवकों ने सहभागिता की। संचलन मार्ग में रियासत, जाली वाला मंदिर, शिवाजी मार्केट, मुरादाबाद रोड एवं आरएसपी रोड सहित विभिन्न स्थानों पर हिमांशु सेनी, मोहित रस्तोगी, पीयूष रस्तोगी, मोटी बंसल सहित नागरिकों ने पुष्प

वर्षा कर भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम में नगर संचालक शोबीर सिंह, नगर बौद्धिक शिक्षण प्रमुख पीयूष रस्तोगी, नगर व्यवस्था प्रमुख संजीव गर्ग, नगर सह-व्यवस्था प्रमुख हरिओम वर्मा, नगर विद्यार्थी प्रमुख अमन अमित शर्मा, अक्षत देवरा, मुकेश रस्तोगी, मनोज भटनागर, प्यारे लाल, नमन रस्तोगी, नीलू रस्तोगी, घनश्याम ब्रिडला, वीर सिंह राणा, अंचल चौधरी सहित अनेक स्वयंसेवक उपस्थित रहे। रास्ते में स्थान-स्थान पर लोगों ने पुष्प वर्षा करके स्वयंसेवकों का अभिनंदन किया।

मिशन शक्ति फेज-6.0 के नुक्कड़ नाटक के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं को किया गया जागरूक



अमरोहा (सब का सपना):- रविवार को थाना अमरोहा देहात क्षेत्रांतर्गत ग्राम कैलसा में मिशन शक्ति फेज-6.0 के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्राम की महिलाओं एवं बालिकाओं को आमंत्रित कर शासन द्वारा संचालित विभिन्न

जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को नारी स्वावलंबन, महिला सशक्तिकरण, नारी शक्ति तथा साइबर जागरूकता के प्रति जागरूक करना एवं उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग बनाना



रहा। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से महिला सुरक्षा, स्वावलंबन तथा साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारीयां प्रदान की गईं। इस अवसर पर प्रभारी मिशन शक्ति जनपद अमरोहा उपनिरीक्षक पारुल चौधरी एवं कल्याण विभाग के

अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं को शासन द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ उठाने तथा किसी भी समस्या की स्थिति में संबंधित विभाग से सहायता प्राप्त करने के प्रति जागरूक किया गया।

बछरायूं में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत पर दबंगों ने तीन लोगों पर किया हमला, घायल



बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा के थाना बछरायूं में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत करने पर दबंग युवकों ने तीन युवकों के साथ घर घुसकर जमकर मारपीट की। मारपीट के दौरान तीनों व्यक्ति घायल हो गए। जानकारी के अनुसार यह मामला पुरानी रंजिश का भी बताया जा रहा है पुलिस ने इस मामले में शिकायत दर्ज करते हुए जांच

पड़ताल शुरू कर दी है। बता दें कि कस्बा बछरायूं के मोहल्ला चौधरियान में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत और पुरानी रंजिश के चलते दबंगों ने एक परिवार पर हमला किया। आरोपियों ने घर में घुसकर तीन लोगों को लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से पीटा। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। मामले की जानकारी देते हुए जफर अली ने



बताया कि शनिवार शाम उनका बेटा मोहम्मद कमर ट्रांसफार्मर के पास से गुजर रहा था। तभी नजाकत, निजावत, तय्यब और मोहम्मद शमी ने उसे रोककर गाली-गलौज की और हमला कर दिया।कमर की चीख-पुकार सुनकर सरवर और अनस उसे बचाने पहुंचे, तो उन पर भी हमला हुआ। तीनों घर भागे, पर दबंग पीछा करते हुए घर में घुस आए और तीनों को पीटा।

आरोपी धमकी देकर फरार हो गए।पीड़ित पक्ष के अनवर अली ने बताया कि आरोपी नजाकत ने सरकारी जमीन पर अवैध मकान बनाया है, जिसकी शिकायत की गई थी। इसी रंजिश में हमला हुआ। थाना प्रभारी अतवीर चौहान ने बताया कि जफर अली की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश जारी है।

मिशन शक्ति टीम की तत्परता गुम हुई 03 वर्षीय बच्ची को 01 घंटे के भीतर किया सकुशल बरामद

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- रविवार को थाना हसनपुर क्षेत्र में एक महिला द्वारा पुलिस को बताया गया कि वह बाजार में दवाई लेने आई थी, इसी दौरान उसकी 03 वर्षीय बच्ची कहीं गुम हो गई है। सूचना प्राप्त होते ही थाना हसनपुर पुलिस की मिशन शक्ति टीम द्वारा तत्परता से कार्रवाई करते हुए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की



फुटेज का अवलोकन किया गया। पुलिस टीम के अथक प्रयासों से गुम हुई बच्ची को मात्र 01 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। अपनी बच्ची को सकुशल वापस पाकर परिजनों ने अमरोहा पुलिस की तत्परता एवं सराहनीय कार्यशैली की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया।

तिगरी व गढ़मुक्तेश्वर में बनने वाले पेन्टून पुल को नहीं मिली मंजूरी

गत वर्ष सीएम योगी ने दोनों मेलों को जोड़ने के लिए पुल बनाने के लिए दिए निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद अमरोहा तिगरी गंगा धाम व जनपद हापड़ के गढ़मुक्तेश्वर में लगने वाले ऐतिहासिक गंगा मेले को जोड़ने के लिए गत वर्ष सीएम योगी ने जिस पेंटून पुल को बनाने के लिए निर्देश दिए थे इस वर्ष उस पुल को बनाने की मंजूरी नहीं मिल पाई है। मतलब यह की इस वर्ष भी इन दोनों मेलों का संगम नहीं हो पाएगा। इस मामले में अमरोहा डीएम व हापड़ के डीएम ने इसका जायजा लिया। शासन प्रशासन की तरफ से पुल का



प्रस्ताव भी भेजा गया था लेकिन अभी उसकी मंजूरी मिलने में समय लग रहा है। उधर यदि इस बार तिगरी

गंगा धाम में लगने वाले ऐतिहासिक गंगा मेले की बात करें तो उसमें प्राप्त जानकारी के अनुसार इस बार तिगरी

गला घोटकर मूसली से वार कर 20 वर्षीय पायल की हत्या, पुलिस ने 04 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार, सभी भेजे गए जेल

आदमपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना आदमपुर क्षेत्र के गांव बुखारीपुर में हुए सनसनीखेज हत्याकांड में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 04 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। बीते दो दिन पूर्व 20 वर्षीय पायल की गला घोटकर और सिर पर मूसली से वार कर हत्या कर दी गई थी। बताया जा रहा है कि मृतका पायल के पति की भी बीते 15 दिन पूर्व मृत्यु हुई थी। पति की मौत से अभी परिवार उबर भी नहीं पाया था कि पायल की हत्या ने पूरे परिवार और गांव को झकझोर कर रख दिया। हर कोई इस घटना से दुखी नजर आ रहा था। मृतका के मायके वालों ने थाना आदमपुर में लिखित तहरीर दी, जिसके आधार पर पुलिस ने क्रांति देवी पत्नी उमराव गिरि, आशा देवी पत्नी राकेश गिरि निवासीगण ग्राम बुखारीपुर थाना आदमपुर जनपद अमरोहा, मोन्टी गिरि पुत्र श्रीपाल, निमला देवी पत्नी श्रीपाल गिरि निवासीगण ग्राम पमारी थाना रजपुरा



जनपद सम्भल के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया। मायके वालों का आरोप है कि चारों अभियुक्तों ने एक राय होकर पायल की हत्या की है। आरोप है कि पायल की दादिया सास ने गला घोटकर व सिर पर मूसली से वार कर उसकी जान ली। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए चारों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं दूसरी तरफ इस घटना को लेकर ग्रामीणों में शोक तो व्याप्त था ही, लेकिन आशा देवी

पत्नी राकेश गिरि की गिरफ्तारी से ग्रामीणों में खासी नाराजगी दिखाई दी। ग्रामीणों का कहना है कि मृतका की सगी सास आशा देवी का इस प्रकरण से कोई लेना-देना नहीं है, उसे घटना का कोई पता नहीं है और वह महिला निर्दोष है। हर किसी के मुंह पर केवल यही शब्द था कि आशा देवी जिस दिन से शादी होकर इस घर में आई है, उसी दिन से परेशान है और आज न जाने किस कर्म की सजा इस महिला को मिल

रही है। यानी कि हर एक ग्रामीण आशा देवी को निर्दोष बता रहा था, लेकिन वहीं पुलिस के सामने न जाने कौन सी मजबूरी थी, जिसकी वजह से आशा देवी को भी गिरफ्तार करना पड़ा। ग्रामीणों ने निष्पक्ष जांच की मांग की है ताकि निर्दोष को न्याय मिले और आरक्षकों को सजा मिल सके।वहीं जब इस पूरे मामले को लेकर पुलिस क्षेत्राधिकारी हसनपुर से फोन पर बात की गई तो उन्होंने बताया कि चारों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया था, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। वहीं जब उनसे पूछा गया कि ग्रामीणों के अनुसार मृतका पायल की सगी सास आशा देवी का इस घटना से कोई लेना-देना नहीं है, ऐसा ग्रामीणों का कहना है, तो उन्होंने कहा कि जिस समय घटना कारित हुई, उस समय पायल की सास भी घर पर ही थी और मृत्यु सिर पर मूसली का वार करने से नहीं, बल्कि गला घोटने से हुई है। बाकी आरोप तो न्यायालय तय करेगा।

मिशन शक्ति के तहत संभल पुलिस ने महिला कर्मियों को दिया ड्रोन कैमरे से निगरानी और चेकिंग का विशेष प्रशिक्षण

बहजोई/संभल (सब का सपना):— जनपदपुलिस अधीक्षक विकास चंद्र त्रिपाठी के कुशल निर्देशन में शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर मिशन शक्ति फेज-6 के अंतर्गत महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण को लेकर विभिन्न जागरूकता व प्रशिक्षण कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज पुलिस लाइन्स बहजोई में जनपद की मिशन शक्ति केंद्र टीमों की महिला कर्मचारियों और सदस्यों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया जहाँ उन्हें ड्रोन कैमरे के संचालन और उससे निगरानी रखने का उच्चस्तरीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण सत्र के दौरान अधिकारियों ने विस्तार से



बताया कि कई बार कानून-व्यवस्था बनाए रखने में त्योंहारों या अन्य संवेदनशील परिस्थितियों में पुलिस को भीड़भाड़ वाले इलाकों में ड्रोन कैमरे के जरिए सुरक्षा जांच करानी पड़ती है। इसी जरूरत को देखते हुए

महिला कर्मिकों को ड्रोन कैमरे को तकनीकी रूप से ऑपरेट करने उसके कैमरों की मदद से संदिग्ध गतिविधियों को ट्रैक करने और चेकिंग करने के तौर-तरीके सिखाए गए। उपस्थित सभी महिला कर्मियों

ने ड्रोन का लाइव डेमो देखा और स्वयं भी ड्रोन को हवा में उड़ाकर उसका अभ्यास किया। संभल पुलिस प्रशासन द्वारा इस दिशा में एक कदम आगे बढ़ाते हुए महिला कर्मचारियों की एक समर्पित ड्रोन टीम भी तैयार की जा रही है। आने वाले प्रमुख त्योहारों मेंलों और विभिन्न आयोजनों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण के लिए इसी प्रशिक्षित महिला ड्रोन टीम की सेवाएं ली जाएंगी। इस पहल से न केवल महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा बल्कि तकनीकी रूप से पुलिस बल और अधिक मजबूत व सक्षम बनेगा।

मोमबत्ती निर्माण प्रशिक्षण से जगी स्वरोजगार की उम्मीद, आरसेटी ने दी शुभकामनाएं



बहजोई/सम्भल(सब का सपन):— जनपद के आरसेटी बहजोई में शनिवार को आयोजित मोमबत्ती निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन उत्साह और सकारात्मक संदेश के साथ हुआ। इस अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों द्वारा सीखे गए हुनर की सराहना करते हुए उन्हें स्वरोजगार अपनाकर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान सभी

प्रशिक्षणार्थियों ने पूरी लगन, मेहनत और उत्साह के साथ मोमबत्ती निर्माण की कला सीखी। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य महिलाओं को हुनरमंद बनाकर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। प्रशिक्षण के माध्यम से सीखे गए कौशल से महिलाएं स्वरोजगार शुरू कर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर



सकती हैं। इस अवसर पर शिखर चौरसिया (DST) के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया गया। उनके मार्गदर्शन, सहयोग और प्रेरणा ने प्रशिक्षण को उपयोगी एवं सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके सहयोग को प्रशिक्षणार्थियों के लिए प्रेरणादायक बताया गया। आरसेटी सम्भल के निदेशक एवं समस्त स्टाफ ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को

उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि वे प्रशिक्षण में सीखे गए हुनर को स्वरोजगार में बदलकर आत्मनिर्भर बनेंगी और अपने परिवार एवं समाज की खुशहाली में योगदान देंगी। इस अवसर पर संदेश दिया गया कि हुनर से रोजगार, रोजगार से आत्मनिर्भरता और आत्मनिर्भरता से सशक्त समाज का निर्माण होता है।

यातायात पुलिस का सघन चेकिंग अभियान, 382 वाहनों के चालान कर लगाया जुमाना

सम्भल(सब का सपना):— जनपद में रविवार को पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी के निर्देशन में सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से यातायात पुलिस और प्रवर्तन टीमों ने सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान जनपद के प्रमुख चौराहों, मुख्य मार्गों एवं महत्वपूर्ण स्थानों पर वाहनों की जांच की गई। अभियान में ओवरलोट वाहनों, निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां बैठाते वाले चालकों तथा बिना वैध परमिट और आवश्यक दस्तावेजों के वाहन संचालित करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। चेकिंग के



दौरान ऑटो और ई-रिक्शा में लगे अवैध पायदान भी हटवाए गए। पुलिस की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, अभियान में कुल 382 वाहनों के चालान किए गए तथा 7 लाख 2 हजार 500 रुपये का

जुमाना लगाया गया। वहीं, 39 ऑटो व ई-रिक्शा के चालान किए गए और पांच वाहनों को सीज किया गया। इंटरसेप्टर के माध्यम से 85 चालान किए गए, जबकि 13 ऑटो व ई-रिक्शा से अवैध पायदान हटवाए

गए। सम्भल पुलिस ने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने, निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियों न बैठाते, तेज गति से वाहन न चलाने तथा दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने की अपील की। पुलिस ने कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों के लिए भी गंभीर खतरा बन सकता है। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और यातायात व्यवस्था को सुरक्षित एवं सुचारु बनाए रखने के लिए आगे भी चेकिंग अभियान जारी रहेगा।

स्वास्थ्य केंद्रों पर लगा मुख्यमंत्री आरोग्य मेला,मरीजों का हुआ निःशुल्क उपचार

सम्भल(सब का सपना):— जनपद में रविवार को 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं नौ नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर 275वें मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में 37 चिकित्सकों और 136 पैरामेडिकल स्टाफ ने कुल 2357 मरीजों का निःशुल्क उपचार किया। इनमें 1134 पुरुष, 818 महिलाएं और 405 बच्चे शामिल रहे। वहीं, आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना के अंतर्गत 71 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड बनाए गए। मेले में बुखार के 256, चर्म रोग के 447, दमा के 332, मधुमेह के 107, नेत्र रोग के 33 और उच्च रक्तचाप के 101 मरीजों की जांच



कर उपचार एवं परामर्श दिया गया। बुखार से पीड़ित 36 मरीजों की मलेरिया तथा 16 मरीजों की डेंगू जांच की गई। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, सभी संदिग्ध मरीजों की रिपोर्ट निगेटिव रही। सभी प्राथमिक

स्वास्थ्य केंद्रों पर परिवार नियोजन संबंधी परामर्श एवं सामग्री उपलब्ध कराने के लिए अलग काउंटर बनाए गए। जिलाधिकारी के निर्देश पर आशा कार्यकर्ताओं ने सोर्स रिड्रक्शन और संचारी रोगों से बचाव के प्रति

लोगों को जागरूक किया। वहीं, एक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के तहत 302 लोगों को तंबाकू छोड़ने का परामर्श दिया गया। इसके अलावा 57 मरीजों को टेली-मानस सेकलस्ट्रेस की सुविधा उपलब्ध कराई गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक ने आरोग्य मेला सत्रों का निरीक्षण किया। अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों ने भी विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मेले के माध्यम से लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं और सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया।

वरिष्ठ पत्रकार डॉ सुशील शर्मा के निधन पर पत्रकारों ने दी श्रद्धांजलि

नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):— वरिष्ठ पत्रकार डॉ. सुशील कुमार के असामयिक निधन पर शनिवार को नगर स्थित डीके फार्म में शोक सभा का आयोजन किया गया। इसमें पत्रकारों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। शोक सभा में पत्रकारों ने डॉ. सुशील कुमार के निधन को पत्रकारिता जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया। उन्होंने कहा कि उनका असामयिक



निधन बेहद दुःखद है। उनके जाने से पत्रकारिता जगत ने अपना एक साथी

खो दिया है। इस दुःख की घड़ी में सभी पत्रकार शोककुल परिवार के

साथ हैं। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। शोक सभा में नीरज भारद्वाज, महकार सिंह तोमर, कुलवीर चौधरी, विशाल शर्मा, ऋषभ जैन, अरविंद जोशी, संजय शर्मा, विपिन वर्मा, रवि शर्मा, अब्दुल कलाम, डॉ. अशोक शर्मा, रवि गांधी शर्मा, सोनी शर्मा, मोहित शर्मा और मोहम्मद फैजान सहित पत्रकार मौजूद रहे।

संभल पुलिस की बड़ी कार्रवाई 43 लाख रुपये मूल्य के 233 गुमशुदा मोबाइल बरामद कर स्वामियों को सौंपे

बहजोई/संभल(सब का सपना):— जनपद में पुलिस ने गुमशुदा और खोए हुए मोबाइलों की बरामदगी को लेकर चलाए गए एक विशेष अभियान के तहत बहुत बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने विभिन्न कंपनियों के कुल 233 मल्टीमीडिया मोबाइल फोन बरामद किए हैं जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 43 लाख रुपये है। पुलिस अधिकारियों को देखरेख में इन सभी मोबाइल फोनों को उनके वास्तविक स्वामियों के सुपुर्द कर दिया गया है। जनपद में लगातार मिल रहे खोए हुए मोबाइलों के प्रार्थना पत्रों पर कड़ा संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक



संभल के कुशल निर्देशन में यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक संभल द्वारा शीघ्र बरामदगी हेतु साइबर सेल और विभिन्न थानों की पुलिस टीमों को सख्त निर्देश दिए गए थे। इस निर्देश

के क्रम में जनपद साइबर सेल थाना साइबर सेल और दूरसंचार विभाग द्वारा संचालित पोर्टल के माध्यम से अभियान को आगे बढ़ाया गया। पुलिस टीमों द्वारा अथक प्रयास परिश्रम और तकनीकी सर्विलांस की मदद से संभल के अलावा अन्य

जनपदों और दूसरे राज्यों से भी इन मोबाइलों को ट्रेस किया गया। इस प्रकार कुल 233 मोबाइल फोन बरामद करने में सफलता प्राप्त हुई। लाखों रुपये कीमत के अपने गुमशुदा और कीमती मोबाइल फोन वापस पाकर नागरिकों के चेहरों पर खुशी लौट आई। सभी मोबाइल स्वामियों ने संभल पुलिस साइबर सेल और इस अभियान से जुड़ी पूरी टीम का आभार व्यक्त किया है। पुलिस प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि मोबाइल खोने की स्थिति में तुरंत पोर्टल पर सूचना दें और पुलिस की मदद लें।

संभल में दुर्गा वाहिनी ने धूमधाम से मनाया दुर्गाष्टमी पर्व

दीप प्रज्वलन और शस्त्र पूजन के साथ हुआ भव्य आयोजन



संभल (सब का सपना):— विश्व हिंदू परिषद की प्रमुख इकाई दुर्गा वाहिनी के तत्वावधान में संभल में दुर्गाष्टमी का पावन पर्व अत्यंत हर्षोल्लास और श्रद्धा भाव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथियों और पदधिकारियों द्वारा माँ भगवती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर तथा सनातन परंपरा के अनुसार शस्त्र पूजन के साथ की गई। कार्यक्रम का कुशल आयोजन और संचालन दुर्गा वाहिनी की प्रखंड संयोजिका सोनी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस आयोजन में

मुख्य अतिथि के रूप में मातृशक्ति की जिला संयोजिका दीपा वाघण्य की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता दुर्गा वाहिनी की जिला संयोजिका प्रतीक्षा गुप्ता ने उपस्थित मातृशक्ति और बालिकाओं को संबोधित करते हुए दुर्गाष्टमी के आध्यात्मिक और सामाजिक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि दुर्गाष्टमी का पर्व केवल पूजन-अर्चन तक सीमित नहीं है बल्कि यह नारी शक्ति के जागरण आत्मरक्षा और स्वाभिमान का प्रतीक है। उन्होंने



आगे कहा कि माँ दुर्गा का प्रत्येक स्वरूप हमें अन्याय अधर्म और असत्य के विरुद्ध दृढ़ता से खड़े होने की सीख देता है। वर्तमान समय में महिलाओं को अपनी आंतरिक शक्ति को पहचानकर समाज और राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभानी होगी। नारी केवल ममता की प्रतिमूर्ति नहीं बल्कि आवश्यकता पड़ने पर अपने और समाज के रक्षण हेतु शक्ति का साक्षात स्वरूप भी है। विशिष्ट अतिथि दीपा वाघण्य ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए

संस्कारवान समाज के निर्माण में मातृशक्ति के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने महिलाओं को एकजुट होकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में प्रखंड संयोजिका सोनी ने सभी कार्यकर्ताओं और उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया। अंत में माँ अम्बे की महाआरती और भारत माता की जय के गगनभेदी जयकारों के साथ कार्यक्रम का सफल समापन हुआ।

मुख्य विकास अधिकारी ने किया उर्वरक वितरण केंद्रों का औचक निरीक्षण



बहजोई /संभल (सब का सपना):— जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने बहजोई क्षेत्र में स्थित विभिन्न उर्वरक वितरण केंद्रों का व्यापक औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बहजोई संघ क्रय-विक्रय केंद्र बहजोई एवं बी-पैक्स बहजोई पर पहुंचकर उर्वरक की उपलब्धता वितरण की स्थिति और पारदर्शिता का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान

मुख्य विकास अधिकारी सीधे वितरण केंद्रों के गोदामों में पहुंचे जहां उन्होंने संबंधित सचिव से उर्वरक की वर्तमान उपलब्धता और स्टॉक रजिस्टर के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने केंद्र पर स्थापित पीओएस मशीनों के संचालन और किसानों को दी जाने वाली रसीद व्यवस्था का परीक्षण किया ताकि पारदर्शी तरीके से खाद का वितरण सुनिश्चित किया जा सके। मुख्य विकास अधिकारी ने कतार में अपनी बारी का इंतजार कर रहे



किसानों के बीच जाकर उनसे सीधे बातचीत की। उन्होंने किसानों से पूछा कि उन्हें प्रति बोरी उर्वरक किस मूल्य पर दिया जा रहा है और खाद प्राप्त करने के लिए उन्हें कितने समय से प्रतीक्षा करनी पड़ रही है। किसानों ने पारदर्शी वितरण प्रक्रिया पर अपनी संतुष्टि जाहिर की। किसानों से मिले सकारात्मक फीडबैक के आधार पर मौके पर वितरण व्यवस्था पूरी तरह संतोषजनक पाई गई। निरीक्षण के बाद मुख्य विकास

अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने जनपद के सभी किसानों को आश्वासन दिया कि जिले में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक खाद का स्टॉक उपलब्ध है। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और अनावश्यक रूप से परेशान न हों। सभी किसान भाई नियमानुसार और अपनी आवश्यकता के अनुसार केंद्रों से उर्वरक प्राप्त करें।

मिशन शक्ति अभियान के तहत बाल विवाह के खिलाफ ग्रामीणों को किया जागरूक



बहजोई/सम्भल(सब का सपना):— मिशन शक्ति अभियान फेज-06 के तहत रविवार को थाना कोतवाली बहजोई क्षेत्र के ग्राम सादातबाड़ी में महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रभारी निरीक्षक थाना बहजोई एवं प्रयत्न संस्था के सहयोग से आयोजित नुककड़ सभा में बाल विवाह जैसी सामाजिक कुुरीतियों को समाप्त करने तथा महिलाओं के प्रति हिंसा और प्रताड़ना रोकने के लिए लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम क्षेत्राधिकारी बहजोई स्तुति

सिंह की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इसका संचालन प्रयत्न संस्था के प्रभारी गौरी शंकर चौधरी ने किया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों एवं संबंधित संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने अविवाहित छात्राओं और युवतियों से संवाद स्थापित कर बाल विवाह के दुष्परिणामों की जानकारी दी। साथ ही महिलाओं को उनके अधिकारों, कानूनी सहायता और सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में बाल विवाह के विषय पर एलंडी के माध्यम से नुककड़ नाटक 'बढ़ते बच्चे' का प्रदर्शन किया गया। इसके बाद क्षेत्राधिकारी स्तुति



सिंह के नेतृत्व में पैदल मार्च निकालकर आमजन को बाल विवाह के उन्मूलन और महिला सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर बाल विवाह उन्मूलन के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले प्रभारी निरीक्षक पवनवीर सिंह राणा, उपनिरीक्षक बाबुराम सेनी, महिला आरक्षी शालिनी, जरस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन की पूजा राजपूत (स्वीटी), चाइल्ड हेल्पलाइन प्रभारी मानसी तथा मिशन शक्ति प्रभारी उपनिरीक्षक अपर्णा बंसल को क्षेत्राधिकारी स्तुति सिंह ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं एवं

बच्चों के स्वास्थ्य, स्वच्छता, कानूनी अधिकारों, साइबर अपराधों से बचाव और मिशन शक्ति से संबंधित जानकारी भी दी गई। महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों तथा मिशन शक्ति केंद्र पर उपलब्ध सीयूजी नंबर के बारे में बताया गया। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने आर्थिक स्वावलंबन के उपायों की जानकारी देकर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य बाल विवाह पर रोक लगाने के साथ महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित, जागरूक और आत्मनिर्भर बनाना रहा।

खैर के पेड़ों की लकड़ी चोरी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

पुलिसकर्मों को टक्कर मारकर भागे थे आरोपी, पिकअप और चोरी की लकड़ी बरामद

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):— नजीबाबाद पुलिस ने खैर के पेड़ों की लकड़ी चोरी करने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई खैर की लकड़ी के छह लट्टे, तीन फीट के करीब लंबी लकड़ी के तीन टुकड़े, लगभग डेढ़ फीट के दो टुकड़े तथा घटना में प्रयुक्त पिकअप गाड़ी बरामद की है। बरामद लकड़ी की कीमत करीब 45 हजार रुपये बताई गई है।

पुलिस की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सहारनपुर रेंज नजीबाबाद में तैनात वन उपनिरीक्षक सार्थक पुत्र सतीश कुमार ने 5 अक्टूबर 2026 को थाना नजीबाबाद में तहरीर देकर बताया था कि अज्ञात पिकअप चालक ने उनकी मोटरसाइकिल में टक्कर मारकर उन्हें कुचलने का प्रयास किया। इस घटना में उनके बाएं पैर में चोट आई थी। आरोप है कि



इसके बाद आरोपी खैर प्रजाति के तीन पेड़ काटकर दो पेड़ों की लकड़ी पिकअप में लादकर ले गए थे। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकद्दमा दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू की। रविवार, 18 अक्टूबर को पुलिस ने प्रकाश में आए आरोपियों में से बब्बू उर्फ बग्गड़ पुत्र प्रेम सिंह निवासी चम्पतपुर चकला उर्फ भोगपुर, सतनाम पुत्र करतार निवासी चम्पतपुर चकला तथा इकरार पुत्र

इशरार निवासी कासमपुर गढ़ी को गिरफ्तार कर लिया। तीनों आरोपी बिजनौर जनपद के निवासी बताए गए हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की लकड़ी और घटना में प्रयुक्त पिकअप बरामद की है, जिसका पंजीकरण नंबर UK08AQ4146 है। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि वे दिन में जंगलों में खड़े खैर, शोशम और सागौन आदि के पेड़ों की रेकी

करते थे। रात में पेड़ों को काटकर उनकी लकड़ी पिकअप में भरकर ले जाते थे। पुलिस और वन विभाग की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए अपने साथियों को भी आगे रखते थे। चोरी की लकड़ी को सलीम ठेकेदार और इकरार निवासी अफजलगढ़-कासमपुर गढ़ी को बेचने की बात भी सामने आई है। प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, 5 अक्टूबर की रात बब्बू उर्फ बग्गड़ के कहने पर खैर के पेड़ों की लकड़ी चोरी की गई थी। पुलिस द्वारा रोकने का प्रयास करने पर आरोपी पिकअप लेकर भाग निकले थे। इस दौरान पिकअप की टक्कर से पुलिसकर्मों घायल हो गया था। पुलिस ने बरामदगी और साक्ष्यों के आधार पर मुकदमे में भारतीय न्याय संहिता की धारा 317(2), 317(5) और 109(1) की वृद्धि की है। मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

नूरपुर में सपा विधायक राम अवतार सैनी ने समाजवादी आंदोलन पार्टी के पदाधिकारियों से की मुलाकात

2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा, गठबंधन की एकजुटता पर दिया जोर

नूरपुर/बिजनौर (सब का सपना):— नूरपुर स्थित हाजी यासीन मंसूरी मार्केट के बुध बाजार में सलीम क्लॉथ हाउस पर रविवार को समाजवादी पार्टी के विधायक राम अवतार सैनी ने अपने समर्थकों के साथ समाजवादी आंदोलन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अकबर नबी इदरीसी एवं पार्टी के पदाधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान समाजवादी आंदोलन पार्टी की ओर से आगामी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को बिना शर्त समर्थन देने के निर्णय पर चर्चा की गई। इस अवसर पर विधायक राम अवतार सैनी, सपा के जिला महासचिव एवं विधानसभा स्तर के पदाधिकारियों ने समाजवादी आंदोलन पार्टी के पदाधिकारियों को बधाई दी और गठबंधन की



एकजुटता पर जोर दिया। विधायक राम अवतार सैनी ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा। उन्होंने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में सरकार बनाने के लिए मिलकर प्रयास करने की बात कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास और बेहतर व्यवस्था के लिए सभी सहयोगी दलों को मिलकर काम करना चाहिए। वहीं समाजवादी

आंदोलन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अकबर नबी इदरीसी ने आश्वासन दिया कि उनकी पार्टी का उत्तर प्रदेश संगठन समाजवादी गठबंधन के साथ मिलकर कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता आगामी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी का समर्थन करते हुए अखिलेश यादव के नेतृत्व में सरकार बनाने के लिए प्रयास करेंगे। इस अवसर पर सपा के जिला महासचिव चनंजय यादव, जिला

सचिव देवेन्द्र यादव, नूरपुर विधानसभा अध्यक्ष नसीम अहमद, जिला पंचायत सदस्य वार्ड नंबर पांच के प्रत्याशी सलीम अहमद, समाजवादी आंदोलन पार्टी के प्रदेश महासचिव राशिद अली मंसूरी, युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वसीम सिद्दीकी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष मोहम्मद रफी मिकरानी, प्रदेश सचिव अमजद मंसूरी, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य साजिद हुसैन इदरीसी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सलमान हुसैन, अनुसूचित जाति समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मवीर सिंह दिवाकर, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मुस्तफा इदरीसी, सपा नेता राशिद खान, जिला पंचायत सदस्य वार्ड नंबर तीन के प्रत्याशी नवाब मलिक तथा समाजवादी आंदोलन पार्टी के कार्यकर्ता मिस्त्री अमित चंद सैनी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पुलिस की तत्परता से दो घंटे में बरामद हुई लापता युवती, मिशन शक्ति टीम ने युवती को सकुशल परिजनों को सौंपा

अगौता/बुलंदशहर (सब का सपना):— रविवार को थाना अगौता पुलिस की मिशन शक्ति टीम ने तत्परता दिखाते हुए घर से नाराज होकर निकली एक युवती को महज दो घंटे के भीतर बरामद कर सकुशल उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से परिजनों ने राहत की सांस ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना अगौता क्षेत्र के ग्राम शाहनगर निवासी अशफाक की करीब 20 वर्षीय पुत्री केकसा 17 अक्टूबर की रात किसी बात से नाराज होकर बिना बताए घर



से चली गई थी। काफी तलाश के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिलने पर युवती के पिता ने पुलिस को तहरीर दी। इस आधार पर 18

अक्टूबर को थाना अगौता में गुमशुदगी दर्ज की गई। मामले को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी नगर एवं प्रभारी निरीक्षक थाना अगौता के

निर्देशन में मिशन शक्ति टीम ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। पुलिस टीम ने सक्रियता दिखाते हुए महज दो घंटे के अंदर युवती को बरामद कर लिया और सकुशल उसके परिजनों को सौंप दिया। युवती की सकुशल बरामदगी के बाद उसके माता-पिता और ग्राम प्रधान ने थाना अगौता पुलिस एवं मिशन शक्ति केंद्र की टीम की भूरि-भूरि प्रशंसा की। पुलिस को इस त्वरित कार्रवाई से एक बार फिर मिशन शक्ति टीम की सक्रियता और संवेदनशीलता सामने आई।

सर सैयद जयंती पर मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान

बिजनौर (सब का सपना):— स्योहारा में एएमयू ओल्ड बॉयज एसोसिएशन की ओर से सर सैयद अहमद खां की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने सर सैयद अहमद खान के शैक्षिक योगदान को याद करते हुए उनके दिखाए आधुनिक शिक्षा के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण नीट परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह रहा। इस दौरान सफल अर्थव्यथियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम में नीट परीक्षा में सफलता हासिल करने वाले मोहम्मद शायान और माही शगुफ्ता को उनकी उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। युवाओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के साथ ही अपने ज्ञान और प्रतिभा का उपयोग समाज के विकास के लिए करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता चौधरी जकी उर रहमान ने की, जबकि मंच का संचालन रावद शम्स ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. मोहम्मद रियाज तथा विशिष्ट



अतिथि के रूप में डॉ. कमाल अहमद मौजूद रहे। एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. आसिफ अंसारी, उपाध्यक्ष नय्यर चौधरी, जनरल सेक्रेटरी सुब्हान रबी उद्दीन, कोषाध्यक्ष फि रोज हैदर और कनवीनर जावेद शम्स ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर डॉ. आसिफ अंसारी, सुब्हान रबी उद्दीन और जावेद शम्स ने युवाओं से शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने, अपनी प्रतिभा को निखारने और समाज के विकास में सक्रिय

योगदान देने की अपील की। उन्होंने सर सैयद अहमद खान के शैक्षिक विचारों को वर्तमान समय में भी प्रासंगिक बताते हुए युवाओं को उनसे प्रेरणा लेने का संदेश दिया। कार्यक्रम में मुस्ती अकील अहमद, शहर इमाम मौलाना कामिल काम्मी, अहसनु एडवोकेट, तुफैल एडवोकेट, इंजीनियर अतीक उर रहमान, अममन इंजीनियर, जीशान चौधरी, नासिर चौधरी, फहीम कुरैशी, डॉ. साबिर हुसैन, डॉ. सुफियान, जीशान अकरम, नादरा कुमर, जेबा जैदी, फौजिया जैदी, डॉ.

शाजिया इकबाल, चौधरी नदीम जफर, सीएचसी प्रभारी डॉ. बी.के. स्नेही, वीर सिंह, सलमान अहमद, डॉ. अजीम उद्दीन, एम.क्यू. इंटर कॉलेज के प्रबंधक वकील अहमद और सत्यम मोहम्मद आसिम सहित अलागढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से जुड़े अनेक ओल्ड बॉयज तथा शहर के प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षा के महत्व, युवाओं की उपलब्धियों को प्रोत्साहित करने और समाज में शैक्षिक जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया।

बाल विवाह रोकने को एचटी थाना और चाइल्ड हेल्पलाइन ने चलाया जागरूकता अभियान

ग्रामीणों और महिलाओं को बाल विवाह के दुष्परिणामों व कानूनी प्रावधानों की दी जानकारी, 1098 पर सुचना देने की अपील

बिजनौर (सब का सपना):— मिशन शक्ति 0.6 अभियान के अंतर्गत रविवार, 18 अक्टूबर को एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एचटी थाना) बिजनौर और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की संयुक्त टीम ने दारा नगर गंज क्षेत्र में बाल विवाह रोकने और बाल अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए विशेष अभियान चलाया। इस दौरान स्थानीय ग्रामीणों और महिलाओं को बाल विवाह के दुष्परिणामों तथा इससे संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में अधिकारियों ने बताया कि बाल विवाह एक गंभीर सामाजिक कुरीति होने के साथ-साथ



कानूनन अपराध भी है। इससे बच्चों के शारीरिक, मानसिक और शैक्षणिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा

के लिए जागरूक बनें और बाल विवाह जैसी कुप्रथा को रोकने में प्रशासन का सहयोग करें। अभियान के दौरान स्पष्ट किया गया कि क्षेत्र में कहीं भी बाल विवाह कराए जाने की

जानकारी मिलने पर संबंधित विभागों द्वारा नियमानुसार त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

साथ ही बाल अधिकारों के उल्लंघन या बच्चों के साथ किसी भी प्रकार के अपराध की सूचना तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन के टोल फ्री नंबर 1098 पर देने की अपील की गई। इस अवसर पर संरक्षण अधिकारी रुबी गुप्ता, जिला समन्वयक हिमांशु पाराशर, एचटी थाना बिजनौर के प्रभारी लखपत सिंह, आभा फाउंडेशन दिल्ली के कॉमिंड पुषेन्द्र गोस्वामी तथा चाइल्ड हेल्पलाइन बिजनौर की टीम मौजूद रही।

बाइक की टक्कर से कोचिंग जा रही युवती गंभीर घायल, हायर सेंटर रेफर

बिजनौर (सब का सपना):— जनपद के स्योहारा थाना क्षेत्र में बाइक की टक्कर से कोचिंग सेंटर जा रही 20 वर्षीय युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद बाइक सवार अपना वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने बाइक को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, थाना स्योहारा क्षेत्र के गांव पित्थापुर निवासी अनिल कुमार की 20 वर्षीय पुत्री भावना अपने गांव से स्योहारा स्थित कोचिंग सेंटर के लिए



आ रही थी। इसी दौरान पीछे से आ रही एक बाइक ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर लगने से भावना गंभीर

रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने घायल युवती को

उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा पहुंचाया। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों ने युवती की गंभीर हालत को देखते हुए उसे बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। उधर हादसे के बाद बाइक सवार मौके से फरार हो गया। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल बाइक को कब्जे में लेकर थाने पहुंचा दिया है। पुलिस फरार बाइक सवार की तलाश और मामले की जांच में जुटी है।

घोड़ा-बुग्गी से टकराकर बाइक सवार दो लोग घायल, एक जिला अस्पताल रेफर

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):— थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर घोड़ा-बुग्गी से टकराकर बाइक सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को नगीना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया गया। यहाँ प्राथमिक उपचार के बाद एक घायल की

हालत चिंताजनक देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, जबकि दूसरे घायल को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के ग्राम पुरैनी निवासी अयूब पुत्र याकूब (44) रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे अपने दोस्त बृजेश कुमार पुत्र लोटे (42) के साथ बाइक से नगीना आ रहा था।

बताया जाता है कि गांव से कुछ दूरी पर पहुंचते ही उनकी बाइक सामने जा रही घोड़ा-बुग्गी से टकरा गई। हादसे में दोनों बाइक सवार घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने 108 एंबुलेंस सेवा को सूचना दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस दोनों घायलों को सीएचसी नगीना लेकर पहुंची,

जहां चिकित्सक डॉ. विशाल दिवाकर ने उनका प्राथमिक उपचार किया। अयूब की हालत गंभीर होने के कारण उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, जबकि बृजेश कुमार को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। हादसे की सूचना मिलते ही घायलों के परिजनों में चिंता और अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

दुर्गा अष्टमी पर कन्याएं जिमाकर किया नवरात्र व्रतों का समापन

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):— शारदीय नवरात्र की दुर्गा अष्टमी के दिन श्रद्धालुओं ने मातारानी के नौ स्वरूपों की प्रतीक कन्याओं को जिमाकर व्रतों का समापन किया। कुछ श्रद्धालु सोमवार को दुर्गा नवमी (राम नवमी) पर कन्याओं को जिमाकर अपने नवरात्र व्रतों का

समापन करेंगे। शारदीय नवरात्र में दुर्गा अष्टमी के दिन रविवार को महिलाओं ने घरों में चना हलवा व पूरी तथा स्वादिष्ट व्यंजन बनाएं और चना हलवा पूरी का माँता को भोग लगाकर स्वादिष्ट व्यंजनों से कन्याओं को जिमाया। नवरात्र के व्रत रखने वाली महिलाओं व

पुरुषों ने मां दुर्गा स्वरूप कन्याओं के पैर धोकर व तिलक लगाकर आशीर्वाद लिया और फिर उपहार भेंट कर विदा किया। रामलला बाग स्थित प्राचीन सिद्धपीठ मां काली व मां दुर्गा मंदिर में रविवार को प्रातः काल से श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। श्रद्धालुओं ने

मातारानी के दरबार में नारियल चुनरी चढ़ा कर विशेष पूजा अर्चना की तथा चना हलवा पूरी का भोग लगाकर व्रतों का समापन किया। इस अवसर पर अष्टमी के मेले में शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों, महिलाओं व बच्चों ने खूब मस्ती की।

अमौली जागरण में उमड़ा आस्था का सैलाब

क्षेत्राधिकारी जाफरगंज अवनीश कुमार ने समाजसेवियों की उपस्थिति में मां भगवती का पूजन कर किया शुभारंभ



अमौली/फतेहपुर (सब का सपना):— शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर माँ दुर्गा पूजा कमेटी द्वारा आयोजित 21वीं दुर्गा पूजा के अंतर्गत विशाल जागरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्राधिकारी जाफरगंज अवनीश कुमार ने समाजसेवियों की उपस्थिति में माँ भगवती का विधिवत पूजन-अर्चन कर किया। कानपुर से आई सांविरिया म्यूजिकल ग्रुप और जागरण पार्टी के कलाकारों तथा अंकित नटराज ग्रुप, सनी नाटी ग्रुप, विनय तेजस्वी ग्रुप की झांकियों ने समां बांध दिया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ ज्वाला के आवाहन के बाद प्रसिद्ध

संचालक शिवम दुबे को सम्मानित कर जागरण मंच का प्रारम्भ किया गया। क्षेत्राधिकारी अवनीश कुमार ने इस दौरान मिशन शक्ति, साइबर फ्रॉड से बचाव, तथा हेल्पलाइन नंबर 112, 1090, 1098, 1930 के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए लोगों को सतर्क रहने की नसीहत दी और अच्छे आयोजन के लिए समिति की सराहना की। जागरण में प्रिया तिवारी ने गणेश वंदना तूने मुझे बुलाया शेरवालिएं और मैया दया कर दो जैसे भजनों से शुरुआत की। उसके बाद दिल्ली से पधारे सुप्रसिद्ध शिव भजन गायक प्रेम मेहरा ने मुकुट सिर मोर का, मेरे चित चोर का, दो नैना सरकार के



और मरघट में शिव नाचे जैसे लोकप्रिय भजनों से लोगों को भावविभोर कर दिया। खाटू श्याम की नगरी से आई गायिका निर्मल शर्मा, बेबी प्रांशु, दीपक जयपुरिया, अनुज अलबेला ने भी अपने गीतों से जमकर तालियां बटोरी। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण तीन ग्रुपों की हैरतअंगेज झांकियां रहीं जैसे रामलला के साक्षात दर्शन, लक्ष्मण शक्ति प्रसंग, पंचमुखी हनुमान, गोरिल्ला और प्रभु के अखिल ब्रह्मांड स्वरूप की झांकियों ने दर्शकों को स्तब्ध कर दिया। संस्था के महामंत्री एवं संचालक उमेश त्रिवेदी ने सभी अतिथियों एवं

आमजन का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से समाजसेवी राहुल अमिनहोत्री, चौकी इंचार्ज अविनाश मिश्रा, जितेंद्र वर्मा, रवि ओमर, राजाराम ओमर, मुकेश ओमर, अखिलेश ओमर, रीसू ओमर, सतीश वर्मा, दीपक ओमर, रिषभ ओमर, हिमांशु ओमर, कुलदीप तिवारी, आर्य कुमार पांडेय, अभिषेक राठौर, बी.डी. सिंह, सुरेंद्र तिवारी, ब्रजेंद्र तिवारी, अरुण कुमार मिश्र, दयाशंकर त्रिवेदी, दिनेश चंद्र ओमर, शुभा मिश्रा, आरती त्रिवेदी, वंदना तिवारी, आद्या त्रिवेदी सहित सैकड़ों लोग व्यवस्था संचाले रहे।

क	ल	र	व				मु	का	ब	ला
श			त	म	त	मा	ना			ज
ष	व		न	या		न	दी		जी	वा
न	र	क	न	म	क		ख	रा		ब
		दा	म		आ	न	फा			
		न	ख	त		म		म		
			सा	रा	आ	द	म	न		
अ	ना	र		र	स	म	त	ह	री	
मा	ता		ल	क	सी	त		र	त	
न			च	म	क	दा	र		स	
त	क	दी	र			ल	ल	का	र	



हॉलीवुड की इस बात के मुरीद हुए विद्युत

हाल ही में खास बातचीत में अभिनेता विद्युत जामवाल ने आने वाली फिल्म के किरदार, हॉलीवुड में काम करने के अनुभव, अनुशासन, एआई और अपने अब तक के सफर पर खुलकर बात की।

‘स्ट्रीट फाइटर’ में धालसिम का किरदार ऑफर हुआ तो पहला विचार क्या था?

मैं धालसिम के कैरेक्टर के बारे में जानता तो था ही। जब मुझे पता लगा कि ‘स्ट्रीट फाइटर’ की कास्टिंग हो रही है और इस सिलसिले में मुझे फोन किया गया, तो मुझे लगा तो रहा था कि यही किरदार होगा। मैं काफी एक्साइटेट था। यह जापानी वीडियो गेम पर आधारित है। धालसिम योगा मार्टलर है और अपनी योगा की शक्तियों का इस्तेमाल लड़ने के लिए करते हैं। डायरेक्टर ने बताया कि मुझे अपने बाल शैव करने पड़ेंगे। वैसे कैरेक्टर के लिए इसकी जरूरत नहीं पड़ी थी, उन्होंने मास्क भी पहनाया था।

हॉलीवुड में काम करने के अनुभव में सबसे अलग क्या लगा?

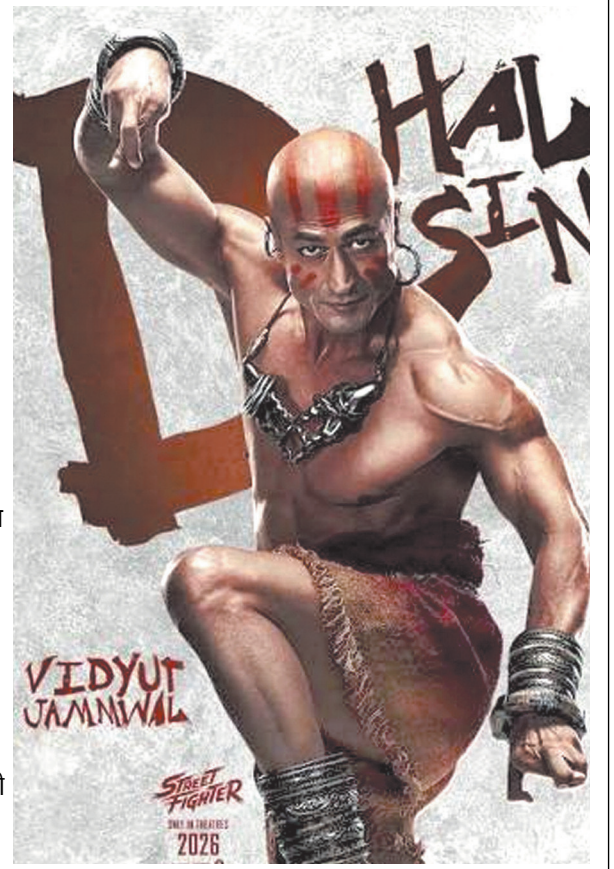
तो मायन हैं, वो बिल्कुल अलग हैं। वहां टाइम पर आना कोई बड़ी बात नहीं है। वहां टाइम पर ही आना होता है।

किरदार के लिए फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन कितना करना पड़ा?

जब प्रोड्यूसर और डायरेक्टर कास्टिंग कर रहे थे और उन्होंने हिंदुस्तान को देखा तो उन्होंने पूरी हिस्ट्री देखी कि किस आदमी ने अपनी लाइफ में इतना समय इस चीज में बिताया है। हर कैरेक्टर उन्होंने अर्थेंटिक लिया है, जो उनकी रियल लाइफ जैसी है। चाहे वो फिफ्टी सेंट हों, जेसन मर्सेना हों या कोकी रोसस। सबको उन्होंने उनकी पर्सनालिटी के आधार पर लिया। मैं जैसा हूँ, वैसा ही हूँ। मुझे कोई अलग से ट्रांसफॉर्म नहीं करना पड़ा। बस मेरे किरदार के लिए बाल उड़ा दिए।

प्रोस्टेथिक लुक तैयार करने में कितना वक्त लगता था?

वैसे, वो जितने भी एक्टर्स हैं हमारी फिल्म में, हर आदमी एक कैरेक्टर में है। उसका जो रूप है, वो वीडियो गेम के आधार पर है। हर आदमी को समय लगता था। हाँ, मुझे बाकियों से दो घंटे ज्यादा लगते थे। हर दिन तीन-चार घंटे प्रोस्टेथिक मेकअप के लिए लगते थे। मान



**संजय लीला भंसाली
संग काम करेंगी
करीना, धनुष भी
दिख सकते हैं**

करीना कपूर और फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली लंबे इंतज़ार के बाद एक प्रोजेक्ट के लिए साथ आने जा रहे हैं। भंसाली प्रोडक्शंस के बैनर तले बनने वाली इस फिल्म में करीना मुख्य भूमिका में नजर आ सकती हैं। हालांकि, प्रोजेक्ट की कहानी और बाकी कलाकारों को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी आतिश कपाड़िया को दी गई है। कपाड़िया 'रिचवडी' जैसी चर्चित सिट्कॉम और नेटफिलक्स की सीरीज 'चुंबक' के निर्देशन के लिए जाने जाते हैं। बता दें कि करीना को हाल ही में भंसाली के ऑफिस के बाहर भी देखा गया था। इसके बाद दोनों के साथ काम करने की चर्चा और तेज हुई। वहीं करीना फिल्ममेकर एस. मिश्रन की एक माइथो जंगल एडवेंचर फिल्म में काम करने के लिए बातचीत कर रही हैं। चर्चा है कि धनुष भी भंसाली की इस फिल्म में दिख सकते हैं।



हार्ट कंट्रोलर के साथ म्यूजिक इंडस्ट्री में उतरीं उर्वशी रौतेला

एक्ट्रेस उर्वशी रातेला ने अपने इंडीएम (इलेक्ट्रॉनिक डांस म्यूजिक) ट्रैक 'हार्ट कंट्रोल' के साथ म्यूजिक की दुनिया में कदम रखा, जिसमें उन्होंने मुख्य गायिका और लेखिका की भूमिका निभाई। अपने म्यूजिकल सफर के बारे में बात करते हुए उर्वशी ने बताया कि वह लंबे समय से इलेक्ट्रॉनिक डांस म्यूजिक की ओर आकर्षित रही हैं और अपनी ऑन-स्क्रीन इमेज से हटकर इस जॉनर को आजमाना चाहती थीं। उन्होंने कहा कि यह ट्रैक उनके म्यूजिकल एक्सप्रेशन, भारतीय संस्कृति और परंपरा को एक साथ लाता है। इस बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, 'आपकी पहली बॉलीवुड इंडीएम सिंगर बनकर बहुत गर्व महसूस हो रहा है, जिन्हें एक फूल-लेथ इंडीएम रिकॉर्ड/ट्रैक के लिए लीड वोकलिस्ट के तौर पर पेश किया गया है। किसी बॉलीवुड एक्ट्रेस के लिए यह पहली बार है और बॉलीवुड के इतिहास में भी ऐसा पहली बार हुआ है।'



क्या दीपिका के समर्थन में उतरीं इशिता दत्ता?

पिछले दिनों जब दीपिका पादुकोण फिल्म 'स्पिरिट' से अलग हुई, तो ऐसी खबरें आई कि यह फैसला उनकी तरफ से 8 घंटे की शिफ्ट की मांग करने की वजह से लिया गया था। तब से बॉलीवुड में काम के लंबे घंटों को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। हाल ही में 'दृश्यम 3' की अभिनेत्री इशिता दत्ता ने दीपिका की मांग का समर्थन किया।

आठ घंटे की शिफ्ट की मांग
पर क्या बोलीं इशिता

बातचीत में इशिता ने कहा, 'आठ घंटे की शिफ्ट देना या न देना आपकी निजी पसंद है, इसलिए प्रोडक्शन हाउस मना कर सकता है। मगर इस को इतना बड़ा मुद्दा बनाना और इसे गलत ठहराने की कोशिश करना गलत है। ऐसे कई कलाकार हैं जो 12-15 घंटे काम करने के लिए तैयार हैं। लेकिन आप किसी दूसरे व्यक्ति की मांग को 'अनुचित' बताकर उसे कमतर नहीं आंक सकते।'

क्या है अभिनेत्री की इच्छा

अभिनेत्री ने आगे कहा, 'जब आप खुद एक बच्चे की मां बनती हैं, तब आपको समझ आता है कि इसमें कितनी

मेहनत और समय लगता है। अगर मेरे पास भी ऐसी स्थिति होती जहाँ मैं मांग रख सकती, तो शायद मैं भी मांगती। मुझे नहीं लगता कि मैं अभी उस मुकाम पर हूँ।'

दीपिका कैसे लड़ती हैं अपनी लड़ाइयां

इससे पहले दीपिका पादुकोण ने बातचीत में बॉलीवुड में काम के माहौल और वेतन में समानता को लेकर चल रही बहस पर अपनी बात रखी थी। उन्होंने कहा, 'मैंने कई स्तरों पर ऐसा किया है। यह मेरे लिए कोई नई बात नहीं है। मुझे लगता है कि जहां तक वेतन की बात है, मुझे इससे जुड़ी हर स्थिति का सामना करना पड़ा है। मुझे नहीं पता कि इसे क्या नाम दें, मगर मैं हमेशा अपनी लड़ाइयां चुपचाप लड़ती आई हूं। पता नहीं क्यों, कभी-कभी ये बातें सार्वजनिक हो जाती हैं, जो मेरे तरीके से अलग है और मेरी परवरिश भी ऐसी नहीं रही है।'



**‘द पैराडाइज’ के बाद
अगले प्रोजेक्ट में
जुटे राघव जुयाल**

एक्टर राघव जुयाल हाल ही में साउथ फिल्म 'द पैराडाइज' में नजर आए थे। फिल्म में राघव ने विलेन का किरदार निभाया था, वहीं एक्टर नानी लीड रोल में थे। अब इसके बाद राघव जुयाल अपनी अगली फिल्म की शूटिंग में जुट गए हैं। दरअसल, राघव जुयाल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शूटिंग से एक जीनकारी बताते हुए एक पोस्ट शेयर की। उसमें उन्होंने बताया कि



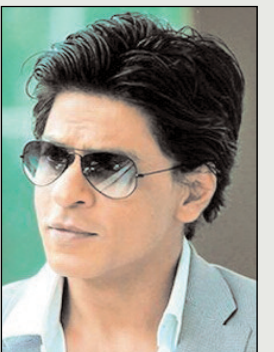
लीड रोल में नजर आएंगे राघव

उन्होंने आगे कहा, 'यह फिल्म मेरे लिए इसलिए खास है, क्योंकि यह मुझे फिर से वहीं ले आई है, जहां से मैंने कभी शुरूआत की थी। यह मुझे याद दिलाती है कि जब आज किसी चीज को पाने के लिए लगातार मेहनत करते हैं, उसे अपने सपनों में जीते हैं और हकीकत बनने से पहले ही उस पर विश्वास करते हैं, तो कभी-कभी पूरी कायनात उसे सच करने का रास्ता बना देती है। इस फिल्म को और भी खास बनाने वाली बात यह है कि आज मैं उस प्रेक्षाजी का मुख्य अभिनेता हूँ, जिसमें कभी मैं पीछे खड़े होकर, दूर से सब कुछ देखा करता था।' सपना पुरा होने की बात करते हुए राखन ने लिखा, 'यह वही फिल्म है, जिसका हिस्सा बनने का सपना मैंने वर्षों पहले देखा था और जिस पर मुझे पुरा भरोसा था। अब आखिरकार मेरा यह सपना सच होने जा रहा है। मैं इस फिल्म के लिए अपना सब कुछ लगा दूंगा। यह अब तक की सबसे बेहतरीन डॉस फिल्म होगी और मैं इसमें ऐसा प्रदर्शन देने का इरादा रखता हूँ, जैसा किसी डॉस फिल्म में पहले कभी नहीं देखा गया। कुछ सपने पूरे होने में वर्षों लग जाते हैं। लेकिन जब सच के पुरे होते हैं, तो एहसास होता है कि शायद वे सपने कभी हमसे दूर गए ही नहीं थे।

‘दृश्यम 3’ की सफलता के बाद करियर में बदलाव चाहते हैं जयदीप

अभिनेता जयदीप अहलावत अपनी शानदार पर्यटन के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों के बीच ख़ासे पहचान बनाई है। अब अभिनेता को उम्मीद है कि 'दुश्मन 3' की सफलता उनके करियर में अच्छे बदलाव लेकर आएगी। हाल ही में एक बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि वह आज किस तरह के किंदादर निभाना चाहते हैं। बातचीत के दौरान जयदीप अहलावत से पूछा गया कि किसी फिल्म के ब्लॉकबस्टर होने से एक अभिनेता के करियर पर क्या असर पड़ता है। इस पर उन्होंने कहा कि उन्हें अभी नहीं पता कि इससे उनके करियर में क्या बदलाव आएगा, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि ये बदलाव अच्छे होंगे। अभिनेता ने कहा, 'ब्लॉकबस्टर सफलता से मेरा करियर किस तरह बदलेगा, मुझे नहीं पता। लेकिन जो भी बदलाव होगा, उम्मीद है कि वह अच्छा होगा।' में चाहता हूँ कि मुझे अच्छे और चुनौतीपूर्ण किंदादरों के ऑफर मिलें।' में यह नहीं चाहता कि मुझसे बार-बार पुलिसवाले का किंदादर निभाने के लिए कहा जाए।'

शाहरुख के साथ
आएंगे नजर



जयदीप अहलावत ने बातचीत के दौरान अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में भी बताया। उन्होंने खुलासा किया कि वह इस साल शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' में नजर आएंगे। इसके अलावा फिलहाल उनकी किसी दूसरी फिल्म की रिलीज तय नहीं है। अभिनेता ने कहा, 'किंग' इस साल शाहरुख खान सर के साथ रिलीज हो रही है। इसके अलावा मेरी कोई और फिल्म रिलीज नहीं हो रही है।'